संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 199
पृष्ठ 8
गुरूवार
09 अप्रैल 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- बॉडी में होने वाला दर्द देता...

विचार- विनाश की अनुगूंज है आतंकवाद

खेल- हम गलतियों से सीखेंगे और प्रतिष्ठा...

मुख्यमंत्री ने किया छठी उत्तर प्रदेश कृषि विज्ञान कांग्रेस 2026 का शुभारंभ

खेत ही बनेंगे नवाचार की प्रयोगशाला

लखनऊऊ,संवाददाता। लखनऊ में छठी उत्तर प्रदेश कृषि विज्ञान कांग्रेस–2026 का शुभारंभ करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कृषि क्षेत्र के समग्र विकास के लिए व्यापक व दूरदर्शी दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि समय आ गया है कि कृषि को प्रोडक्शन से प्रोडक्टिविटी, प्रोडक्टिविटी से प्रॉफिटेबिलिटी और अंततः प्रॉफिटेबिलिटी से प्रॉस्पेरिटी तक ले जाया जाए। विकसित व आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना तभी साकार होगी, किसान समृद्ध होगा। उत्पादन बढ़ाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसे लाभप्रद और टिकाऊ बनाना आवश्यक है। प्रोडक्शन से प्रॉस्पेरिटी तक की यह यात्रा ही भविष्य का मार्ग तय करेगी और उत्तर प्रदेश इस दिशा में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए तैयार है।मुख्यमंत्री ने कहा कि तीन दिवसीय इस आयोजन में कृषि के विभिन्न आयामों पर गंभीर विचार–विमर्श होगा, जिसमें जमीनी स्तर के अनुभवों, नवाचारों और सफल प्रयोगों को साझा किया जाएगा। मंच केवल चर्चा का नहीं, बल्कि ठोस एक्शन प्लान तैयार करने का माध्यम बनना चाहिए, जिससे किसानों को वास्तविक लाभ मिल सके। मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश की कृषि क्षमता का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य देश की 16–17 प्रतिशत आबादी का निवास स्थान है, जबकि यहां केवल 11 प्रतिशत कृषि योग्य भूमि उपलब्ध है। इसके बावजूद यूपी देश के कुल खाद्यान्न उत्पादन में लगभग 21 प्रतिशत का योगदान देता है। यह योजनाबद्ध प्रयासों, किसानों की मेहनत और प्रभावी नीतियों का परिणाम है। राज्य ने कृषि विकास दर को 8 प्रतिशत से बढ़ाकर 18 प्रतिशत तक पहुंचाने में सफलता प्राप्त की है, जो उल्लेखनीय उपलब्धि है। भारत की ऐतिहासिक आर्थिक शक्ति का आधार कृषि रहा है। एक समय ऐसा था जब वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की भागीदारी 44–45 प्रतिशत तक थी और इसका मूल कारण यहां का सशक्त कृषि तंत्र था। उन्होंने बताया कि उस समय किसान केवल उत्पादक नहीं था, बल्कि वह कारीगर और उद्यमी था। वह उत्पादन के साथ प्रसंस्करण और निर्माण में भी भागीदारी करता था। लेकिन समय के साथ यह व्यवस्था कमजोर हुई और किसान केवल कच्चा माल उत्पादक बनकर रह गया।आधुनिक तकनीक के उपयोग पर विशेष बल देते हुए कहा कि इंटरनेट ऑफ थिंग्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ड्रोन और सैटेलाइट तकनीक कृषि को नई दिशा दे सकते हैं। सेंसर आधारित तकनीक से मिट्टी की नमी और पोषण का डेटा प्राप्त कर किसान सटीक निर्णय ले सकते हैं। एआई के माध्यम से फसलों का रियल–टाइम विश्लेषण, रोगों की पहचान और उत्पादन का पूर्वानुमान संभव है। ड्रोन के जरिए उर्वरक और कीटनाशकों का सटीक छिड़काव तथा सैटेलाइट के माध्यम से मौसम और भूमि की निगरानी कृषि को अधिक वैज्ञानिक और प्रभावी बना रही है। जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए बायोटेक्नोलॉजी का उपयोग अत्यंत आवश्यक है। इसके माध्यम से ऐसी बीज किस्मों का विकास किया जा सकता है, जो बदलते मौसम के अनुकूल हों और अधिक उत्पादन दे सकें। उन्होंने प्राकृतिक खेती को दीर्घकालिक समाधान बताते हुए कहा कि यह न केवल लागत को कम करती है, बल्कि मिट्टी की गुणवत्ता और पर्यावरण संतुलन को भी बनाए रखती है।मुख्यमंत्री ने डिजिटल एग्रीकल्चर प्लेटफॉर्म की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि किसानों को अब बाजार, मौसम और मूल्य की जानकारी सीधे उपलब्ध कराई जा रही है। 'वन नेशन–वन मंडी' व्यवस्था और मंडी शुल्क में कमी जैसे निर्णयों से किसानों को बेहतर दाम मिल रहा है।

कैबिनेट ने पांच बड़े फैसलों को दी मंजूरी

राजस्थान को रिफाइनरी और मेट्रो की सौगात, देश के किसानों को फिर दिया बड़ा तोहफा

नई दिल्ली,एजेंसी। देश के विकास को नई रफ्तार देने के लिए केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में कुल 1,74,207 करोड़ रुपये के पांच बड़ी परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। इन फैसलों में जयपुर मेट्रो फेज–2, किसानों के लिए खाद सब्सिडी, एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी और अरुणाचल प्रदेश के दो बड़े हाइड्रो की परियोजनाएं भी शामिल हैं। सरकार ने जयपुर मेट्रो फेज–2 को 13,038 करोड़ रुपये की लागत से मंजूरी दी है। यह 41 किलोमीटर लंबा कॉरिडोर होगा जिसमें 36 स्टेशन बनेंगे और यह प्रहलादपुरा से टोडी मोड तक जाएगा। वहीं, खरीफ 2026 के लिए 41,534 करोड़ रुपये की खाद सब्सिडी भी मंजूर की गई है। इससे किसानों को डीएपी और अन्य उर्वरक सस्ती कीमत पर मिलेंगे और खेती की लागत कम होगी। आइए, सरकार द्वारा सभी लिए गए फैसलों पर नजर डालते हैं। और आसान भाषा में समझने की कोशिश करते हैं। जयपुर मेट्रो फेज–2 शहर के ट्रांसपोर्ट सिस्टम को पूरी तरह बदलने वाली परियोजना मानी जा रही है। यह 41 किलोमीटर लंबा नॉर्थ–साउथ कॉरिडोर होगा, जो प्रहलादपुरा से टोडी मोड तक जाएगा। इस रूट में 36 स्टेशन होंगे और यह शहर के बड़े इलाकों जैसे एयरपोर्ट, सीतापुरा इंडस्ट्रियल एरिया, टोंक रोड और एसएमएस अस्पताल को जोड़ेगा। इससे लोगों को तेज, सस्ता और आसान सफर मिलेगा। इस परियोजना का सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि शहर में ट्रैफिक जाम कम होगा और प्रदूषण भी घटेगा। अभी मेट्रो के पहले चरण में रोज करीब 60 हजार लोग सफर करते हैं, लेकिन फेज–2 आने के बाद यह संख्या कई गुना बढ़ने की उम्मीद है। यह परियोजना 2031 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है और इससे जयपुर को आधुनिक शहर बनाने में मदद मिलेगी। सरकार ने खरीफ 2026 सीजन के लिए 41,534 करोड़ रुपये की न्यूट्रिएंट बेस्ड सब्सिडी को मंजूरी दी है। यह सब्सिडी फॉस्फेटिक और पोटाश उर्वरकों पर दी जाएगी, जिसमें डीएपी और एनपीके जैसे खाद शामिल हैं।

विनम्र श्रद्धांजलि

अश्रद्धेय श्यामाचरण गुप्त

1945 - 2021

संस्थापक - श्याम ग्रुप, पूर्व-नगर प्रमुख एवं सांसद

स्वर्गीय श्यामाचरण गुप्त ने अपने पथ प्रदर्शन एवं अभिप्रेरक जीवन दर्शन, दृढ़ संकल्प तथा सतत कर्म निष्ठा के आधार पर इस समूह की स्थापना की। उनके जीवन की सादगी, उत्कृष्टता, कार्य के प्रति समर्पण एवं सहृदय व्यक्तित्व हम सभी के लिये प्रेरणा स्रोत बना रहेगा। ऐसे उद्यमी, समाज सेवी एवं कुशल राजनेता, हमारे हृदय मानस और यादों में सदा प्रकाश पुंज की तरह दीप्तमान रहेंगे। हम सभी के पथप्रदर्शक को उनकी पुण्य तिथि पर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुये कोटि-कोटि नमन्।

www.shyamgroup.org

SHYAM GROUP

www.sbwgroup.com

Tobacco • Hospitality • Distribution • Marketing • Dairy • Real Estate • Agro

पीएम मुद्रा योजना के 11 साल, पीएम मोदी बोले युवाओं के स्वरोजगार का सपना हुआ साकार

नयी दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) की 11वीं वर्षगांठ पर इसके प्रभाव की सराहना करते हुए कहा कि यह पहल स्वरोजगार को बढ़ावा देने और देश के युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण रही है। एक्स पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि सही अवसर प्रदान करना व्यक्तिगत और राष्ट्रीय विकास की कुंजी है। उन्होंने लिखा कि ठीक 11 साल पहले, आज ही के दिन शुरू की गई प्रधानमंत्री मुद्रा योजना युवाओं में स्वरोजगार को बढ़ावा देने में बेहद मददगार साबित हुई है। इस योजना की सफलता दर्शाती है कि सही अवसर मिलने पर व्यक्ति न केवल आत्मनिर्भर बन सकता है, बल्कि राष्ट्र की प्रगति में भी योगदान दे सकता है। आत्मज्ञान शुरुआत है, और धैर्य धर्म की दृढ़ता है।

मोदी ने आगे कहा कि जो विपत्तियों से विचलित नहीं होता, वही सच्चा बुद्धिमान कहलाता है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी ट्विटर पर पोस्ट किया और बताया कि पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) के तहत 40 लाख करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के 58 करोड़ से अधिक बिना गारंटी वाले ऋण वितरित किए गए हैं, जिससे देश भर में स्वरोजगार और लघु उद्योगों को मजबूती मिली है। शाह ने कहा कि इस योजना ने वित्त तक पहुंच में सुधार करके छोटे व्यापारियों, स्टार्टअप और युवाओं को सशक्त बनाया है। शाह ने कहा कि मोदी सरकार के नेतृत्व में, छोटे व्यापारियों और स्टार्टअप को बिना गारंटी के ऋण उपलब्ध कराकर, स्वरोजगार और लघु उद्योगों को नई शक्ति प्रदान की गई है। इन 11 वर्षों में, इस कल्याणकारी योजना के तहत 40 लाख करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के 58 करोड़ से अधिक ऋण वितरित किए गए हैं, जिससे 12 करोड़ युवाओं को लाभ हुआ है जो आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की यात्रा में नई ऊर्जा का संचार कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि इस योजना से महिलाओं को सबसे अधिक लाभ हुआ है। उन्होंने कहा कि मुद्रा योजना के तहत मिलने वाले प्रत्येक 3 ऋणों में से 2 महिलाओं को मिलते हैं, जो महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 8 अप्रैल, 2015 को जमीनी स्तर पर उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री मुद्रा योजना शुरू की थी। इस योजना के तहत गैर–कॉर्पोरेट और गैर–कृषि आय सृजन गतिविधियों के लिए 20 लाख रुपये तक के आसान और बिना गारंटी वाले ऋण उपलब्ध कराए जाते हैं। इस वित्तीय समावेशन कार्यक्रम का कार्यान्वयन तीन स्तंभों पर आधारित है, अर्थात्, बैंकिंग से वंचितों को बैंकिंग सुविधा प्रदान करना, असुरक्षितों को सुरक्षा प्रदान करना और वित्तपोषित न होने वालों को वित्तपोषित करना।

शहर समता विचार मंच द्वारा ऑनलाइन काव्य गोष्ठी हनुमान जयंती के उपलक्ष्य में सफलतापूर्वक सम्पन्न

प्रयागराज। शहर समता विचार के तत्वावधान में आयोजित गूगल मीट द्वारा काव्य गोष्ठी रचना सक्सेना की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस काव्यगोष्ठी में उमेश श्रीवास्तव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

काव्यगोष्ठी का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती माँ की प्रतिमा पर माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति अनुराधा गर्ग द्वारा। काव्य गोष्ठी का संयोजन एवं संचालन उमा मिश्रा प्रीति ने किया।

इस काव्य गोष्ठी में अफ़रोज़अजीज,अनीता दुबे, शशि जायसवाल, अर्चना झा, सरिता कपूर, साधना खरे, रेणुका पटेल, पूनम पांडे, अर्चना जैन, मनोरमा श्रीवास्तव, मीना कुमारी परिहार। रचनाकार बहनों ने सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दियें। धन्यवाद ज्ञापन उमा मिश्रा प्रीति ने किया।

जंग थमने में पाक की भूमिका पर कांग्रेस ने पीएम को घेरा

नयी दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस ने अमेरिका और ईरान के बीच हुए युद्धविराम में पाकिस्तान की भूमिका को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला है। पार्टी ने इसे प्रधानमंत्री मोदी की अत्यधिक व्यक्तिगत कूटनीति के लिए एक गंभीर झटका बताते हुए कहा कि स्वघोषित विश्वगुरु पूरी तरह से बेनकाब हो गए हैं। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने बुधवार को कहा कि पूरी दुनिया पश्चिम एशिया में अमेरिका–इस्राइल और ईरान के बीच दो सप्ताह के युद्धविराम का सावधानी से स्वागत करेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि यह संघर्ष 28 फरवरी को ईरान के शीर्ष नेतृत्व की लक्षित हत्याओं से शुरू हुआ था, जो प्रधानमंत्री मोदी की इस्राइल की बहुप्रचारित यात्रा के ठीक दो दिन बाद हुआ था। कांग्रेस के अनुसार, इस यात्रा ने भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा को कम किया। जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने गाजा में इस्राइल के नरसंहार और कब्जे वाले वेस्ट बैंक में उसकी विस्तारवादी नीतियों पर कुछ भी नहीं कहा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान द्वारा युद्धविराम कराने में निभाई गई भूमिका पीएम मोदी की अत्यधिक व्यक्तिगत कूटनीति के सार और शैली दोनों के लिए एक गंभीर झटका है। उन्होंने कहा कि जम्मू–कश्मीर में आतंकवाद के प्रति पाकिस्तान के निरंतर समर्थन के लिए उसे अलग–थलग करने और दुनिया को यह समझाने की नीति कि वह एक विफल राष्ट्र है, स्पष्ट रूप से सफल नहीं हुई है।

कांग्रेस के अनुसार, एक दिवालिया अर्थव्यवस्था, जो पूरी तरह से बाहरी दाताओं की दया पर निर्भर है, और कई तरह से टूटा हुआ देश ऐसी भूमिका निभाने में सक्षम था।

हाईकोर्ट पानी टंकी का पुराना पुल 10 अप्रैल से होगा बंद, तोड़कर बनाया जाएगा नया आरओबी

प्रयागराज। हाईकोर्ट पानी की टंकी का पुराना पुल दस अप्रैल से बंद हो रहा है। इस पर आवागमन पूरी तरह से रोक दिया जाएगा। पुल को तोड़कर इसके स्थान पर नए पुल का निर्माण कराया जाएगा। नया पुल 2028 तक बनकर तैयार हो सकता है। हाईकोर्ट पानी की टंकी का पुराना पुल दस अप्रैल से बंद हो रहा है। इस पर आवागमन पूरी तरह से रोक दिया जाएगा। पुल को तोड़कर इसके स्थान पर नए पुल का निर्माण

कराया जाएगा। नया पुल 2028 तक बनकर तैयार हो सकता है। पुराने पुल के टूटने के बाद सभी प्रकार के वाहनों का आवागमन इसके बगल बने नए पुल से होगा। इससे लोगों को जाम समस्या का भी सामना करना पड़ सकता है। हाईकोर्ट पानी टंकी से लीडर रोड पर खुसरो बाग चौराहे को जाने वाला यह पुराना पुल करीब 100 वर्ष पुराना है। पुल काफी जर्जर हो चुका है। लखनऊ से आई टेक्निकल टीम ने इस पर आवागमन को खतरा बताया था। इसके बाद पुल पर बड़े वाहनों का आवागमन रोक दिया है। इस पर सिर्फ दो पहिया, साइकिल और पैदल यात्रियों का आवागमन होता है। कुंभ 2025 के मद्देनजर इसको तोड़ने की समय सीमा को बढ़ा दिया गया था। नए पुल की स्वीकृति मिलने के बाद अब इस जर्जर पुल को तोड़ने की तैयारी फिर शुरू कर दी गई है। उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम लिमिटेड नए पुल का निर्माण करेगा। रेलवे ट्रैक के ऊपर का सारा काम रेलवे द्वारा किया जाएगा।

मारपीट में मां- बेटी घायल, आरोपियों पर एफआईआर

प्रयागराज। थाना क्षेत्र फतूहपुर निवासी देवकली पत्नी राकेश ने मारपीट का आरोप लगाया है। पीड़िता ने पुलिस को दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया है कि बीते दिनों उसके पति गैस सिलिंडर लेने गए थे। पीड़िता कच्चे मकान में ईधन निकालने गई थी। आरोपी वहां पहुंचकर गालियां देने लगे। पीड़िता और उसकी बेटी पूजा ने मना किया तो मारपीट की गई। आरोपियों की मारपीट में बेटी पूजा घायल हो गई। पीड़िता की तस्वीर पर पुरुष सूरज कली, दिनेश कुमार, दीपा तथा आशा पर एफआईआर दर्ज कर दी। पुलिस ने बताया कि घायल पूजा को चिकित्सीय परीक्षण के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कौड़िहार भेजा गया।

18 दिन के बाद दुबई से आया युवक का शव

प्रयागराज। जोगीपुर के बेलखरिया का पूरा निवासी मनीष कुमार विश्वकर्मा (22) का शव मंगलवार को करीब 18 दिन के बाद दुबई से घर आया। बीते 20 मार्च को वह संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से लटकता मिला था। संयुक्त अरब अमीरात के दुबई में जेसीसी कंस्ट्रक्शन कंपनी में युवक शटरिंग का काम करता था। 21 मार्च को कंपनी ने परिजनों को घटना की जानकारी दी थी। मृतक दो बहनों में इकलौता भाई था। मंगलवार शाम को उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया।

16 घंटे बाद पानी में डूबे मासूम का मिला शव

प्रयागराज। थाना क्षेत्र के गींज गांव में सोमवार शाम खदान में भरे पानी में नहाने गया छह वर्षीय मासूम डूब गया। मंगलवार को सुबह करीब 16 घंटे के बाद उसका शव मिला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गींज गांव निवासी संजय उर्फ कृष्णा का छह वर्षीय बेटा राजा बाबू अपने साथियों के साथ गांव के बाहर खदान में भरे पानी में नहाने गया था। काफी समय तक वह घर नहीं आया तो परिजनों ने खोजबीन शुरू की। ग्राम प्रधान राम गुलाब आदिवासी ने पुलिस को सूचना दी। इस दौरान एसीपी वेद व्यास मिश्रा और इंस्पेक्टर बारा सुभाष यादव खोजबीन में जुट गए। कुछ देर में खदान के किनारे उसका कपड़ा मिला, लेकिन अंधेरा होने के कारण टीम लौट आई। मंगलवार को गोताखोर ने मासूम को तलाश लिया। इसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए प्रयागराज भेज दिया। मृतक तीन भाइयों में सबसे छोटा था। इंस्पेक्टर बारा का कहना है कि प्रथम दृष्टया डूबने से मौत का मामला लग रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद स्थिति स्पष्ट होगी।

लालगोपालगंज में ड्रग इंस्पेक्टर ने मारा छापा, दवाओं के लिए सैंपल

प्रयागराज। कस्बे में मेडिकल स्टोर संचालकों द्वारा नियमों के विरूद्ध बिना बिल दवा बिक्री की शिकायतों के बाद औषधि विभाग की टीम ने लालगोपालगंज में छापा मारा। इस दौरान ड्रग इंस्पेक्टर ने दवाओं के सैंपल लिए। औषधि विभाग की टीम मंगलवार को हनुमान चौराहा के पास स्थित जनता मेडिकल स्टोर पहुंची। ड्रग इंस्पेक्टर सुनील कुमार रावत ने दवाओं के स्टॉक का भौतिक सत्यापन किया और पत्रावलियों की जांच की। टीम ने संदेह के आधार पर कुछ दवाओं के नमूने लिए। वहीं ड्रग इंस्पेक्टर के कस्बे में आने की सूचना से अधिकांश मेडिकल स्टोर के शटर गिर गए।

टावर के नीचे मिला लापता मजदूर का शव

प्रयागराज। क्षेत्र के धरांवनारा गांव स्थित ईंट–भट्ठे से एक सप्ताह पहले लापता हुए युवक का शव मंगलवार को हाईटेंशन टावर के नीचे गेहूं के खेत में मिला। दोपहर करीब दो बजे खेत में कटाई कर रहे मजदूरों की नजर जैसे ही शव पर पड़ी, काम छोड़कर लोग मौके पर जुट गए। सूचना पर दिघिया चौकी प्रभारी विक्की गुप्ता पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और शव की शिनाख्त कराई। मृतक की पहचान छत्तीसगढ़ के बिलासपुर निवासी संजय यादव (20) के रूप में हुई, जो अपने माता–पिता गंगोत्री व चंद्रिका यादव के साथ नवंबर 2025 से धरांवनारा के एक ईंट– भट्ठे पर मजदूरी कर रहा था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एसआरएन अस्पताल भेज दिया। परिजनों के मुताबिक, संजय मंदबुद्धि था और पिछले तीन–चार वर्षों से उसका इलाज चल रहा था। संजय पहले भी दो–तीन बार हाईटेंशन टावर पर चढ़कर कूद चुका था। आशंका जताई जा रही है कि इसी दौरान उसकी मौत हुई होगी, हालांकि पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। मृतक तीन भाइयों में दूसरे नंबर पर था। बेटे की मौत की खबर मिलते ही मां गंगोत्री का रो–रोकर बुरा हाल हो गया।

दिन में कड़क धूप व शाम को छाए बादल, रात में आंधी के साथ उड़ी बिजली

प्रयागराज। प्रयागराज और आसपास के जनपदों में बेमौसम बारिश से परेशानी बढ़ गई है। एक तरह जहां गली–मोहल्लों में पानी भर गया और मच्छरों की भरमार हो गई है वहीं ग्रामीण अंचलों में बारिश का सीधा असर गेहूं की खड़ी फसल पर पड़ रहा है। बारिश के चलते दानों के खराब होने की आशंका बढ़ गई है। इसको लेकर किसान चिंतित हैं।

दिन में तेज धूप के बाद मंगलवार की शाम आसमान पर बादलों का डेरा हो गया गया। गरज–चमक के साथ बादल झूमकर बरसे। इससे पहले तेज हवाओं के साथ धूल भरी आंधी चली, जिससे अधिकांश इलाकों की बिजली गुल हो गई। वहीं, आंधी–पानी से गेहूं की तैयार फसल खेतों में गिर गई। रात में रुक–रुक कर बूंदाबांदी होती रही। खलिहानों में पड़े गेहूं के बोझ भी भीग गए। नुकसान की आशंका से किसान चिंतित हैं। बुधवार को भी भोर से ही बादल छाए रहे। सुबह साढ़े नौ बजे शहर समेत कई ग्रामीण अंचलों में तेज बारिश हुई। इसके बाद दिन भर बादलों की लुकाछिपी का खेल चलता रहा।

मंगलवार शाम से बादलों की आवाजाही शुरू हो गई। पश्चिमी विक्षोभ की वजह से रात में धूल भरी आंधी आई और इसके थोड़ी देर बाद गरज–चमक के साथ तेज बारिश हुई, जिससे गर्मी से फौरी राहत मिली। हालांकि, कई मोहल्लों में बिजली के तार टूटने और शॉर्ट सर्किट से जंपर उड़ने से बिजली आपूर्ति बाधित हो गई, जिससे परेशानी हुई। शहर के सिविल लाइंस, लीडर रोड, अतरसुइया, मीरापुर, शास्त्रीनगर, दारागंज, सोहबतियाबाग, कीडगंज, मुट्ठीगंज, चौक, कल्याणी देवी, करेली समेत कई इलाकों में बिजली गुल रही। शहर ही नहीं नैनी, झूंसी और फाफामऊ सहित ग्रामीण अंचलों में भी आंधी और पानी का कहर बरपा।

सोरांव के हरिसेनगंज, ददौली और मऊआइमा सहित विभिन्न क्षेत्रों में सिर्फ 25 से 30 फीसदी किसानों ने ही गेहूं की कटाई–मड़ाई कर उपज सुरक्षित की है। अचानक बदला मौसम उन किसानों के लिए किसी आफत से कम नहीं है, जिनकी फसल खेतों में खड़ी है। भीरपुर, करछना, मेजा, कोरांव, मांडा समेत अन्य इलाकों में आंधी–बारिश किसानों के लिए परेशानी लेकर आई। मौसम वैज्ञानिक इविवि के शैलेंद्र राय के मुताबिक आठ अप्रैल तक हवाओं की गति तेज रहेगी। आंधी ही नहीं, गरज–चमक के साथ बारिश के आसार हैं। कहीं–कहीं बूंदाबांदी भी हो सकती है। इस दौरान पहले तापमान गिरेगा फिर अचानक बढ़ भी सकता है। फसलों को नुकसान हो सकता है, लेकिन लोगों को गर्मी से राहत भी मिलेगी।

आम के टिकोरे गिरे, बीनते रहे बच्चे

बेमौसम बारिश और धूल भरी आंधी से सर्वाधिक नुकसान गेहूं और आम की फसल को हुआ है। किसानों के मुताबिक गेहूं खेतों में पड़ा भीग रहा है। वहीं, आम की बौर अब टिकोरों (अमिया) में बदल गई है। उम्मीद थी कि आम खूब खाने को मिलेगा, लेकिन आंधी से आम के टिकोरे बहुतायत में गिर गए हैं। आंधी का प्रकोप कम हुआ तो गांवों में किसानों के बच्चे बाग में अमिया बीनते रहे। सिविल लाइंस के कई बंगलों में भी गिरे आम के टिकोरों को उठाने की होड़ मची रही।

आंधी से बिजली आपूर्ति चरमराई, कई इलाकों में घंटों गुल रही बत्ती

धूल भरी आंधी और बारिश की वजह से मंगलवार की रात शहर की बिजली आपूर्ति पटरी से उतर गई। कई प्रमुख इलाकों में देर रात तक बिजली आपूर्ति बाधित रही जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। कई इलाकों में बारिश रुकने के बाद भी बिजली गुल रही। जिन मोहल्लों में बिजली आपूर्ति बहाल हुई वहां आती–जाती रही। विभागीय अधिकारियों का दावा है कि लोकल फॉल्ट की वजह से दिक्कत हुई जिसे सामान्य कर आपूर्ति क्रमशरू बहाल कर दी गई है।

रामबाग उपकेंद्र से जुड़े रामबाग, गऊघाट, कीडगंज, फोर्ट रोड, नैनी, झूंसी, कल्याणी देवी, करेलाबाग, करेली, खुसरोबाग, सिविल लाइंस, म्योहल, टैगोर टाउन और तेलियरगंज सहित कई क्षेत्रों में 33 केवी लाइन बंद होने के कारण लंबे समय तक बिजली आपूर्ति ठप रही। वहीं राजरूपपुर, झलवा, सुलेमसराय, बमरौली, टीपी नगर और मुंडेरा जैसे इलाकों में भी घंटों बत्ती गुल रही। बताया गया कि रामबाग उपकेंद्र के 33 केवी मिनी पार्क फीडर में ट्रिपिंग से पूरे इलाके की बिजली अचानक गुल हो गई। सूचना पर पहुंची विभागीय टीम ने फॉल्ट को ठीक कर आपूर्ति बहाल की।

गेहूं का दाना पड़ने लगा काला, एक बीघा में दो क्विंटल तक सिमटी गेहूं की फसल

आंधी और बारिश ने किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया है। बारिश की वजह से बार–बार गेहूं की फसल भीगने से दाना भी अब काला पड़ने लगा है। एक बीघे में पांच से छह क्विंटल निकलने वाला गेहूं आधा से कम होकर दो क्विंटल तक सिमटता नजर आ रहा है।

गंगापार के किसान अनिल, जयचंद्र और धमेंद्र यादव ने बताया कि खेतों में उनकी गेहूं की फसल कटी है। उसमें बारिश से भीगने की वजह से दीमक लग रही है। बार–बार फसल भीगने से गेहूं का दाना भी काला पड़ने लगा है। आंधी से चने की फसल भी प्रभावित हुई है। किसानों ने बताया कि उनकी चने की फसल खेतों में पड़ी थी, तेज आंधी से उड़ गई।

इस माह आठ से 10 दिन मौसम खराब रहेगा। बेहतर है कि किसान अपनी फसल को बचाने का उपाय कर लें। आंधी और बारिश आने वाले दिनों में फिर हो सकती है। –डॉ.रमेश कुमार, कृषि वैज्ञानिक

आंधी और बूंदाबांदी ने बढाई किसानों की मुश्किलें

आए दिन मौसम की बेरुखी से किसानों की मुश्किल कम होने का नाम नही ले रही है। मंगलवार को देर शाम एक बार फिर आंधी व बूंदाबांदी से किसानों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। सोरांव तहसील के हरिसेनगंज, ददौली और मऊआइमा सहित अन्य क्षेत्रों के साथ भीरपुर, करछना, मेजा, मांडा आदि क्षेत्रों में आंधी और बेमौसम की बारिश ने किसानों की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। सुबह के समय मौसम सामान्य था, जिससे किसान खेतों में गेहूं की कटाई–मड़ाई में जुटे थे। शाम को आंधी और बारिश शुरू हो गई। बारिश और तेज हवाओं के कारण खेतों में खड़ी तथा कटी हुई फसल भीग गई। कई जगह गेहूं की बालियां खेतों में ही गिर गईं। वहीं, खुले में रखे अनाज भी भीगकर खराब होने लगे।

भीषण गर्मी में राहत, ट्रेनों के जनरल कोच में ही मिलेगा ठंडा पानी

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) ने तपती गर्मी के बीच रेल यात्रियों को बड़ी राहत देने की तैयारी कर ली है। अब लंबी दूरी की ट्रेनों के जनरल कोच में सफर करने वाले यात्रियों को पीने के पानी के लिए प्लेटफॉर्म पर उतरकर भटकना नहीं पड़ेगा।

उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) ने तपती गर्मी के बीच रेल यात्रियों को बड़ी राहत देने की तैयारी कर ली है। अब लंबी दूरी की ट्रेनों के जनरल कोच में सफर करने वाले यात्रियों को पीने के पानी के लिए प्लेटफॉर्म पर उतरकर भटकना नहीं पड़ेगा। रेलवे प्रशासन ने स्वयंसेवी संस्थाओं के साथ मिलकर एक विशेष योजना तैयार की है, जिसके तहत ट्रेन के प्लेटफॉर्म पर रुकते ही रेलकर्मी और वालंटियर सीधे डिब्बे के भीतर ही यात्रियों तक ठंडा पानी पहुंचाएंगे।

उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक नरेश पाल सिंह के निर्देश पर यह व्यवस्था आगामी 15 अप्रैल से प्रभावी होने जा रही है। इस मानवीय पहल को सफल बनाने के लिए रेलवे ने विभिन्न सामाजिक संगठनों और एनजीओ के साथ हाथ मिलाया है। योजना के अनुसार, प्रयागराज जंक्शन, कानपुर सेंट्रल, अलीगढ़, आगरा, झांसी, मथुरा, ग्वालियर, टूंडला, मिर्जापुर और प्रयागराज छिवकी जैसे महत्वपूर्ण स्टेशनों पर रेलकर्मियों के साथ लायंस क्लब, रेडक्रास, भारत विकास परिषद आदि संगठन की टीमें तैनात रहेंगी। इन स्टेशनों पर जैसे ही कोई लंबी दूरी की ट्रेन प्लेटफॉर्म पर आकर रुकेगी, ये टीमें पाइप और घड़ों के माध्यम से सीधे जनरल बोगियों की खिड़कियों और दरवाजों से यात्रियों को ठंडा जल उपलब्ध कराएंगी।

इस व्यवस्था का सबसे बड़ा लाभ उन यात्रियों को मिलेगा जो भीड़भाड़ वाले जनरल कोच में अपनी सीट छूटने या सामान चोरी होने के डर से नीचे नहीं उतर पाते थे।

अक्सर पानी के लिए आपाधापी में यात्रियों के बीच नोकझोंक और दुर्घटना की आशंका बनी रहती थी, जिसे देखते हुए रेलवे ने पाइप के जरिए कोच के अंदर ही सेवा देने का निर्णय लिया है। प्रशासन का मानना है कि इस प्रयास से न केवल यात्रियों का सफर सुगम होगा, बल्कि चिलचिलाती धूप में निर्जलीकरण जैसी समस्याओं से भी बचाव हो सकेगा। स्वयंसेवी संस्थाओं के सहयोग से शुरू हो रही यह सेवा पूरे ग्रीष्मकाल तक जारी रहने की उम्मीद है।

चौधरी राकेश टिकैत बोले- बेमौसम बारिश से हुए नुकसान की भरपाई करे सरकार

प्रयागराज। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत बुधवार को प्रयागराज पहुंचे। यहां पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि ईरान और इसराइल के बीच यदि युद्ध नहीं रुका तो दूसरे देशों को भी इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत बुधवार को प्रयागराज पहुंचे। यहां पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि ईरान और इसराइल के बीच यदि युद्ध नहीं रुका तो दूसरे देशों को भी इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। भारत में भी इसका असर देखने को मिल रहा है। इसका फायदा व्यापारी उठा रहे हैं और जमाखोरी करते गैस को महंगे दामों पर बेच रहे हैं। टिकैत ने कहा कि बेमौसम बारिश से किसानों को काफी नुकसान हुआ है। जो फसल कट गई है उनकी परेशानी और बढ़ गई है। सरकार को चाहिए कि वह किसानों के नुकसान की भरपाई करे। पश्चिम बंगाल के चुनाव पर कहा कि वहां ममता के नेतृत्व में फिर टीएमसी सरकार बना रही है। भाकियू प्रवक्ता ने कहा कि पश्चिम एशिया में युद्ध चल रहा है। लड़ाई चल रही है इस्राइल और ईरान के बीच में वो जल्द से जल्द बंद होना चाहिए। युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं है। भारत को इसमें सरपंच की भूमिका निभानी चाहिए, क्योंकि भारत ने हमेशा विश्व को शांति का संदेश देने का कार्य किया है। कहा कि पश्चिम बंगाल के चुनाव में ममता बनर्जी की जीत होगी। कहा कि कोई तो बीज बचना चाहिए नहीं तो पूरा सिस्टम ही निपट जाएगा। कहा कि पश्चिम बंगाल में हिंसा और दंगा केंद्र सरकार करवा रही है। यह लोग हर उस राज्य में बवाल करते हैं जहां इनकी सरकार नहीं होती है। कहा कि महिलाओं को 33 प्रतिशत नहीं 50 प्रतिशत हिस्सेदारी मिलनी चाहिए। घर और परिवार में महिलाओं को आधे का अधिकार है तो सरकार कम क्यों दे रही है। कहा कि किसानों के नुकसान की भरपाई खेती को इकाई मानकर करनी चाहिए। बेमौसम बरसात के कारण किसानों को काफी क्षति हुई है।

मालभाड़ा से प्रयागराज मंडल ने कमाए 843.63 करोड़ रुपये, लोडिंग में भी उल्लेखनीय उपलब्धि

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) के प्रयागराज मंडल ने वित्तीय वर्ष 2025–26 में माल ढुलाई के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कई कीर्तिमान स्थापित किए हैं। मालभाड़ा के क्षेत्र में मंडल ने अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए कुल 843.63 करोड़ रुपये की आय की। उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) के प्रयागराज मंडल ने वित्तीय वर्ष 2025–26 में माल ढुलाई के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कई कीर्तिमान स्थापित किए हैं। मालभाड़ा के क्षेत्र में मंडल ने अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए कुल 843.63 करोड़ रुपये की आय की, जो पिछले वित्तीय वर्ष 2024–25 के 812.04 करोड़ रुपये की तुलना में 3.9 फीसदी अधिक है। वहीं, वित्तीय वर्ष 2025–26 में कुल 7.945 मिलियन टन लोडिंग प्राप्त की गई जो पिछले वर्ष के 7.436 मिलियन टन की तुलना में 6.9 प्रतिशत अधिक है। यह आंकड़ा मंडल के इतिहास का दूसरा सर्वोच्च लोडिंग प्रदर्शन है। अगस्त 2025 में फतेहपुर से चावल की लोडिंग प्रारंभ की गई, जबकि मार्च 2026 में पनकी धाम से पोल्ट्री फीड का नया ट्रैफिक शुरू किया गया। पार्सल एवं लगेज आय में भी मंडल की प्रगति उल्लेखनीय रही। इस अवधि में 15.05 करोड़ रुपये की आय अर्जित की गई जो पिछले वर्ष की तुलना में 5.61 प्रतिशत और निर्धारित लक्ष्य से 14.95 करोड़ रुपये अधिक रही। वहीं, विविध आय 39.05 करोड़ रुपये रही, जो 10.78 फीसदी अधिक और लक्ष्य से 9.66 फीसदी अधिक है। अनलोडिंग के क्षेत्र में मंडल ने 47.83 मिलियन टन का सर्वाधिक आंकड़ा प्राप्त किया जो पिछले वर्ष के 44.54 मिलियन टन की तुलना में 7.39 फीसदी अधिक है। इस उपलब्धि के साथ प्रयागराज मंडल देशभर के मंडलों में नौवें स्थान पर रहा। प्रयागराज मंडल, एनसीआर के जनसंपर्क अधिकारी अमित कुमार सिंह का कहना है कि मंडल रेल प्रबंधक/प्रयागराज रजनीश अग्रवाल के मार्गदर्शन और वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/गुड्स अतुल यादव के निर्देशन में प्रयागराज मंडल ने यह उपलब्धि हासिल की है।

हाईकोर्ट का निर्देश – न्यायिक अधिकारियों को जमानत आदेश में आरोपी के आपराधिक इतिहास का विवरण देना होगा

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि राज्य के सभी न्यायिक अधिकारियों (सत्र न्यायाधीश, अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश और विशेष न्यायाधीश) को जमानत आदेश में आरोपी के आपराधिक इतिहास का विवरण एक तालिका में देना होगा। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि राज्य के सभी न्यायिक अधिकारियों (सत्र न्यायाधीश, अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश और विशेष न्यायाधीश) को जमानत आदेश में आरोपी के आपराधिक इतिहास का विवरण एक तालिका में देना होगा। यह आदेश न्यायमूर्ति हरवीर सिंह की एकल पीठ ने नफीस उर्फ मोहम्मद नफीस की ओर से दायर जमानत अर्जी पर सुनवाई के दौरान आपराधिक इतिहास छिपाने की बात सामने आने पर दिया। कोर्ट ने दौरान पाया कि आरोपी नफीस ने जमानत अर्जी में हलफनामा दिया था कि उसके विरुद्ध कोई केस लंबित नहीं है, जबकि पांच आपराधिक मामले दर्ज थे।

इस गंभीर विसंगति को देखते हुए कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट (संशोधन) नियम–2025 का कड़ाई से पालन करने का निर्देश दिया है। नए नियमों के अनुसार प्रत्येक आरोपी को जमानत के लिए आवेदन करते समय अपने विरुद्ध लंबित सभी मामलों और पिछले अदालती फैसलों का विवरण देना अनिवार्य है। कोर्ट ने कहा कि सरकारी वकील, संबंधित जांच अधिकारी का कर्तव्य होगा कि वे जमानत की सुनवाई के समय आरोपी का सटीक और पूरा आपराधिक इतिहास अदालत के समक्ष प्रस्तुत करें। यदि अभियोजन पक्ष सही तथ्य रिकॉर्ड पर लाने में विफल रहता है तो हाईकोर्ट ने उसके विरुद्ध प्रशासनिक कार्रवाई के लिए मामले को संबंधित उच्च अधिकारियों को संदर्भित करने की चेतावनी दी है।

आरोपी नफीस पर बस्ती के परसरामपुर थाने में एक महिला के साथ मारपीट करने का आरोप था, जिसके परिणामस्वरूप गर्भपात हो गया था। हालांकि, मेडिकल रिपोर्ट में कोई बाहरी चोट नहीं पाई गई थी। बचाव पक्ष का तर्क था कि आरोपी को महिला की गर्भावस्था की जानकारी नहीं थी। इसलिए उसका इरादा उक्त अपराध करने का नहीं था। इस पर कोर्ट ने मेरिट और आरोपी की जेल अवधि को देखते हुए उसे व्यक्तिगत बॉन्ड और शर्तों के साथ जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया।साथ ही रजिस्ट्रार को निर्देशित किया गया है कि इस आदेश की प्रति प्रदेश के सभी न्यायिक अधिकारियों को प्रेषित करें, ताकि पूरे राज्य में इसे तत्काल प्रभाव से लागू किया जा सके।

थ्रेसर में गेहूं डाल रहा युवक अंदर चला गया, दर्दनाक तरीके से हुई मौत, गांव में मातम

प्रयागराज। प्रयागराज के करनाईपुर क्षेत्र के मिझुरा गांव में मंगलवार दोपहर 1रू00 बजे ट्रैक्टर से गेहूं की मंड़ाई के दौरान 22 वर्षीय सुमित कुमार गौतम हादसे का शिकार हो गए। बताया गया कि वह बोरी में गेहूं डाल रहे थे, तभी उनका हाथ थ्रेसर में फंस गया और युवक थ्रेसर के अंदर चला गया, जिससे उनकी दर्दनाक मौत हो गई। बहरिया पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना की खबर फैलते ही भारी संख्या में ग्रामीण और परिजन मौके पर इकट्ठा हो गए। मृतक के परिजन रो–रो कर बुरे हाल में हैं और पूरे गांव में शोक की लहर फैल गई।

50 हजार घुस लेते हुए बीएमपी गिरफ्तार

प्रयागराज। विजिलेंस प्रयागराज की टीम ने 50 हजार रुपये की रिश्वत के साथ प्रतापगढ़ के ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर (बीपीएम) को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया है। प्रतापगढ़ के बाघराय में कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) में तैनात आरोपी अमित मिश्रा ने स्वीपर की नौकरी दिलाने के नाम पर 50 हजार रुपये की घूस मांगी थी। विजिलेंस प्रयागराज की टीम ने 50 हजार रुपये की रिश्वत के साथ प्रतापगढ़ के ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर (बीपीएम) को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया है। प्रतापगढ़ के बाघराय में कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) में तैनात आरोपी अमित मिश्रा ने स्वीपर की नौकरी दिलाने के नाम पर 50 हजार रुपये की घूस मांगी थी। विजिलेंस की ट्रैप टीम ने पैसा लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। उसे पकड़कर टीम प्रयागराज पहुंची है। विजिलेंस की इस कार्रवाई से ब्लाक कर्मचारियों में हड़कंप मचा रहा। आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा–

नारी जब अपनी शक्ति पहचान लेती है तो बन जाती है 'नारायणी'

राज्यपाल से मिलीं एडवोकेट शुभि शर्मा

मथुरा। हाईकोर्ट लखनऊ की अधिवक्ता शुभि शर्मा ने महामहिम राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से मुलाकात कर महिलाओं एवं बाल अधिकारों के संरक्षण पर कार्य करने हेतु महामहिम राज्यपाल आनंदीबेन पटेल का अमूल्य मार्गदर्शन प्राप्त किया। राज्यपाल

आनंदीबेन पटेल ने कहा कि महिलाओं में शिक्षा और जागरूकता बढ़ाना ही बाल विवाह व दहेज जैसी कुरीतियों को खत्म करने का सबसे प्रभावी माध्यम है। नारी स्वयं प्रेरणा का स्वरूप है और जब वह अपनी क्षमता पहचान लेती है तो 'नारायणी' बन जाती है। उन्होंने बाल विवाह और दहेज जैसी कुरीतियों को खत्म करने के लिए महिलाओं में शिक्षा और जागरूकता को जरूरी बताया। एडवोकेट शुभि शर्मा ने बताया कि वो महिलाओं और बच्चों को उनके कानूनी अधिकारों के बारे में जागरूक करने का कार्य करेंगी एवं घरेलू हिंसा, कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न, दहेज निषेध और बाल संरक्षण से जुड़े कानूनों की जानकारी सरल भाषा में दी जाएगी। इस अवसर पर उनके साथ आईएएस अवनीश कुमार शर्मा, वरिष्ठ समाजसेविका मधु शर्मा आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

एएसआरएचएमसी व यूएआरडीटी ने किया ग्रामीण स्वास्थ्य शिविर सह जागरूकता अभियान

ताडेपल्लीगुडेम । ग्रामीण स्वास्थ्य देखभाल को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, एएसआर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (एएसआरएचएमसी) ने उमर अलीशा ग्रामीण विकास ट्रस्ट (यूएआरडीटी) के सहयोग से एक व्यापक चिकित्सा शिविर और स्वास्थ्य जागरूकता पहल का सफलतापूर्वक आयोजन किया। यह कार्यक्रम चल रहे विश्व होम्योपैथी जागरूकता सप्ताह समारोह के मुख्य आकर्षण के रूप में आयोजित किया गया था।

यह कार्यक्रम एएसआरएचएमसी के प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. आनंद कुमार पिंगली और एएसआरएचएमसी के चिकित्सा अधिकारी डॉ. अर्ला महेश कुमार के विशेषज्ञ मार्गदर्शन में आयोजित की गयी थी। दोनों चिकित्सकों ने नैदानिक परामर्श प्रदान करने और सामुदायिक सेवा प्रयासों का नेतृत्व करने में सक्रिय रूप से भाग लिया।

चिकित्सकों की एक समर्पित टीम ने गांव के निवासियों के लिए गंभीर और पुरानी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की एक विस्तृत श्रृंखला की चर्चा कर

निशुल्क चिकित्सकीय जांच और व्यक्तिगत परामर्श प्रदान किया। साथ ही, समग्र स्वास्थ्य में होम्योपैथी की भूमिका और सामुदायिक कल्याण के लिए निवारक उपायों के महत्वपूर्ण महत्व के बारे में जनता को सूचित करने के लिए शैक्षिक सत्र आयोजित किए गए। इसके उपरांत, नैदानिक परीक्षाओं के बाद, तत्काल चिकित्सकीय सहायता सुनिश्चित करने के लिए रोगियों को आवश्यक दवाएं वितरित की गईं।

यह पहल चिकित्सा संस्थानों और ग्रामीण आबादी के बीच के अंतर को पाटने पर केंद्रित है, यह सुनिश्चित करते हुए कि चिकित्सा–वंचित लोगों के लिए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल तथा सलाह सुलभ है। इस अभियान में यूएआरडीटी स्वयंसेवकों की सक्रिय भागीदारी देखी गई, जिनमें श्री पुल्ला बाबी और श्री डी. रामकृष्ण के साथ–साथ अन्य समर्पित ट्रस्ट सदस्य भी शामिल थे। उनके साथ एएसआरएचएमसी के उत्साही प्रशिक्षुओं और छात्रों की एक टीम शामिल हुई, जिन्होंने रोगी समन्वय और स्वास्थ्य शिक्षा में सहायता की।

कार्यक्रम के दौरान, प्रतिभागियों ने समुदाय की सेवा करने के संस्थागत मिशन पर जोर दिया और अभियान को सफल बनाने में उनकी महत्वपूर्ण साझेदारी और अटूट समर्थन के लिए उमर अलीशा ग्रामीण विकास ट्रस्ट के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।

वरिष्ठ पत्रकार अतुल कुमार जिंदल की कलम से

गांवों में मच्छरों का प्रकोप

सरकारी सफाई और दवाई कागजों में बना रहे रिकॉर्ड

मथुरा। जनपद के ब्लॉक बलदेव अंतर्गत गांव पटलौनी सहित आसपास के कई गांवों की स्थिति इन दिनों बेहद चिंताजनक बनी हुई है। गांवों में मच्छरों का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है, जिससे आमजन का जीना दूभर हो गया है। शाम होते ही मच्छरों का आतंक इस कदर बढ़ जाता है कि लोग अपने घरों में भी चौन की सांस नहीं ले पा रहे। स्थिति तब और गंभीर हो जाती है जब

यह मच्छरजनित बीमारियोंकृ जैसे डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनियाकृके खतरे को बढ़ा देता है। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद न तो नियमित फॉगिंग हो रही है और न ही कहीं दवाई का छिड़काव नजर आता है। सरकारी अभिलेखों में जरूर सफाई अभियान, दवा छिड़काव और फॉगिंग के दावे किए जा रहे हैं, लेकिन जमीनी हकीकत इन दावों की पोल खोल रही है। कागजों में दर्ज रिकॉर्ड और गांवों की वास्तविक स्थिति के बीच भारी अंतर साफ दिखाई देता है। गांवों की गलियों में गंदगी के ढेर, और जलभराव की समस्या मच्छरों के पनपने के लिए अनुकूल वातावरण तैयार कर रही है। इसके बावजूद जिम्मेदार विभागों की उदासीनता समझ से परे है।

सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि जब सरकार द्वारा सफाई और स्वास्थ्य सेवाओं के लिए पर्याप्त बजट जारी किया जा रहा है, तो फिर यह धन आखिर कहां जा रहा है? क्या यह सरकारी पूंजी का दुरुपयोग नहीं है? कहीं न कहीं यह भ्रष्टाचार और गबन की ओर भी इशारा करता है।

जनता के साथ इस प्रकार का छलावा न केवल प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल खड़ा करता है, बल्कि शासन की मंशा पर भी संदेह उत्पन्न करता है। अब समय आ गया है कि संबंधित अधिकारी इस मुद्दे को गंभीरता से लें और केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित रहने के बजाय जमीनी स्तर पर ठोस कदम उठाएं। नियमित सफाई, प्रभावी फॉगिंग और दवा छिड़काव सुनिश्चित किया जाए, ताकि ग्रामीणों को इस समस्या से राहत मिल सके।

यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई, तो यह समस्या और विकराल रूप ले सकती है, जिसका खामियाजा आम जनता को अपनी सेहत और जीवन से चुकाना पड़ेगा।

जिलाधिकारी ने क्रॉप कटिंग व क्षतिग्रस्त फसलों का किया स्थलीय निरीक्षण, पारदर्शी सर्वे के दिए निर्देश

मथुरा। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने जनपद में संचालित क्रॉप कटिंग कार्यों का औचक निरीक्षण करते हुए तहसील सदर के ग्राम बाद एवं ग्राम तारसी का स्थलीय दौरा किया। इस दौरान उन्होंने राजस्व एवं कृषि विभाग के अधिकारियों से क्रॉप कटिंग की प्रक्रिया, पारदर्शिता एवं सटीकता के संबंध में विस्तृत जानकारी ली।

जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी सदर/ज्वाइंट मजिस्ट्रेट अभिनव जे. जैन को निर्देशित किया कि क्रॉप कटिंग का कार्य शासन के निर्धारित मानकों के अनुरूप ही कराया जाए, ताकि फसल उत्पादन का सही आकलन सुनिश्चित हो सके। उन्होंने स्पष्ट कहा कि इस प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने स्वयं जरीब/सर्वेयर चेन (मीट्रिक चेन) के माध्यम से समबाहु त्रिभुजाकार प्लॉट बनाकर क्रॉप कटिंग की प्रक्रिया को संपादित किया। उन्होंने बताया कि क्रॉप कटिंग एक वैज्ञानिक पद्धति है, जिसके माध्यम से फसल की वास्तविक उपज का आकलन

किया जाता है। यह प्रक्रिया प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत बीमा दावों एवं उत्पादन आंकड़ों का आधार होती है।

हाल ही में आई तेज आंधी, बारिश एवं ओलावृष्टि से फसलों को हुए नुकसान को देखते हुए जिलाधिकारी ने प्रभावित खेतों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी किसानों की फसलों का सर्वे पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से पूर्ण कराया जाए, ताकि मुआवजा प्रक्रिया में किसी प्रकार की देरी न हो।

जिलाधिकारी ने कहा कि सर्वे कार्य में लापरवाही करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, यह सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता है।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने खेतों में जाकर फसलों की वास्तविक स्थिति का जायजा लिया और किसानों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने आश्वासन दिया कि प्रभावित किसानों को शासन द्वारा निर्धारित राहत सहायता समय पर उपलब्ध कराई जाएगी।

प्रशासन ने स्पष्ट किया कि प्राकृतिक आपदा से प्रभावित किसानों को हर संभव सहायता प्रदान करना सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा इसके लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

प्राइवेट स्कूलों की मनमानी पर हाईकोर्ट बार एसोसिएशन सख्त, सीएम से की कार्रवाई की मांग

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन, प्रयागराज ने प्रदेश के निजी विद्यालयों द्वारा पुस्तकों की कीमतों में मनमानी और हर वर्ष पुस्तकों में अनावश्यक बदलाव किए जाने के मुद्दे को गंभीरता से उठाया है। इस संबंध में एसोसिएशन ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।

एसोसिएशन ने अपने पत्र में कहा है कि प्रदेश के अधिकांश निजी विद्यालय अभिभावकों पर अनावश्यक आर्थिक बोझ डाल रहे हैं। विद्यालय प्रबंधन द्वारा पुस्तकों की कीमतों को मनमाने तरीके से बढ़ाया जा रहा है और अभिभावकों को केवल निर्धारित दुकानों से ही पुस्तकें खरीदने के लिए बाध्य किया जाता है। इससे प्रतिस्पर्धा समाप्त हो जाती है और अभिभावकों को अधिक कीमत चुकानी पड़ती है।

पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि कई विद्यालय हर वर्ष पुस्तकों का नया संस्करण जारी कर देते हैं, जबकि पाठ्यक्रम में कोई विशेष बदलाव नहीं होता। केवल कुछ अध्यायों में मामूली

परिवर्तन करके नई पुस्तकें अनिवार्य कर दी जाती हैं, जिससे अभिभावकों को हर साल नई किताबें खरीदनी पड़ती हैं।

बार एसोसिएशन ने इसे अभिभावकों के साथ अन्यायपूर्ण बताया है और कहा है कि अधिकांश परिवार हर वर्ष इस अतिरिक्त खर्च को वहन करने में सक्षम नहीं हैं।

मुख्यमंत्री से की गई प्रमुख मांगें इस प्रकार हैं–

1.निजी विद्यालयों द्वारा पुस्तकों की कीमतों पर नियंत्रण हेतु सख्त नियम बनाए जाएं।

2.विद्यालयों को किसी विशेष विक्रेता से ही पुस्तकें क्रय करने के लिए बाध्य करने पर रोक लगाई जाए।

3.पुस्तकों के सेट को कम से कम 5 वर्षों तक अपरिवर्तित रखने हेतु स्पष्ट नियम निर्धारित किए जाएं।

4.केवल आंशिक (चौप्टर स्तर) परिवर्तन के आधार पर नई पुस्तकें अनिवार्य करने की प्रथा पर रोक लगाई जाए।

5.नियमों का उल्लंघन करने वाले विद्यालयों के विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।

6.अभिभावकों के हितों की सुरक्षा हेतु एक प्रभावी निगरानी तंत्र (मॉनिटरिंग सिस्टम) स्थापित किया जाए।

इस मुद्दे के उठने के बाद अभिभावकों में भी उम्मीद जगी है कि सरकार इस दिशा में ठोस कदम उठाएगी और उन्हें राहत मिलेगी।

हिंदूवादियों द्वारा अलवर में निकाली विशाल हनुमान यात्रा

बालक नाथ योगी और फलाहारी महाराज हुए शामिल

अलवर। सनातनी हिंदुओं द्वारा अलवर में 12वीं विशाल हनुमान यात्रा का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें राजस्थान के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। यात्रा के माध्यम से हिंदू एकता का संदेश दिया गया।

श्री कृष्ण जन्मभूमि मंदिर–मस्जिद प्रकरण के याचिकाकर्ता दिनेश फलाहारी महाराज ने कहा कि अलवर में सनातनी हिंदुओं की एकजुटता देखकर अत्यंत प्रसन्नता हुई। उन्होंने इसे वीरों की भूमि बताते हुए सभी हिंदुओं से एकजुट रहने का आह्वान किया।

इस अवसर पर सांसद बालक नाथ योगी ने अपने संबोधन में कहा कि इतिहास में मुगल शासकों द्वारा हिंदुओं पर अत्याचार किए गए, लेकिन अब हिंदू समाज जागरूक हो चुका है और किसी भी प्रकार का अत्याचार सहन नहीं करेगा।

कार्यक्रम में विश्व हिंदू परिषद के क्षेत्रीय संगठन मंत्री राजाराम, गरिमा गोयल, इंद्रदेव कौशिक, नितिन चौधरी, बलराम शर्मा, विजय यादव सहित कई प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

प्रदेश में बढ़ा 40 फीसदी दुग्ध उत्पादन, देश में यूपी नंबर वन

लखनऊऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यूपी ने दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। प्रदेश में पहले की तुलना में 40 प्रतिशत दुग्ध उत्पादन बढ़ गया है। राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र जैसे प्रमुख दुग्ध उत्पादक राज्यों को पीछे छोड़ते हुए यूपी सबसे सशक्त बनकर उभरा है।देश के कुल दुग्ध उत्पादन में पांच अग्रणी राज्यों की 54 फीसदी हिस्सेदारी है, जिसमें अकेले उत्तर प्रदेश का योगदान 16 फीसदी तक पहुंच गया है। यह आंकड़ा प्रदेश की बढ़ती ताकत और मजबूत डेयरी संरचना का स्पष्ट उदाहरण है। सीएम योगी के कार्यकाल में दुग्ध उत्पादन में जबरदस्त उछाल दर्ज हुआ है। वर्ष 2016–17 में जहां उत्पादन 277 लाख मीट्रिक टन था, वहीं वर्ष 2024–25 में यह बढ़कर 388 लाख मीट्रिक टन के पार पहुंच गया है। दुग्ध क्रांति की बड़ी ताकत ग्रामीण महिलाएं बनीं हैं।

पावन है वह भूमि

(छप्पय)

पावन है वह भूमि सुगंधित माटी वाली।
फसलों के ही साथ जहाँ रहती है हरियाली।
मिट्टी की दीवार प्यार का आँगन जिसका।
सबके मन को मोह सुकूँ जो बनता सबका।
शहरों से वह दूर रह रहे प्रकृति की छाँव में।
दिखती है संवेदना छोटे–छोटे गाँव में।।

नीम तले की छाँव दोपहर गर्मी वाली
अपनेपन का भाव जगाती है हरियाली
सेवा से शुरुआत जहाँ की निज संस्कृति है
कहते उसको गाँव सुखद पल की स्मृति है।
मिट्टी की सोंधी है महक है उसकी तहज़ीब में।
स्वीकारा जिसने इसे होता वही करीब में।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

निषाद समाज ने शोभायात्रा निकालकर मनाई निषादराज जी की जयंती

मथुरा। जनपद के कस्बा शेरगढ़ में गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी निषाद समाज द्वारा निषादराज महाराज जी की जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया, जिसमें समाज के सैकड़ों लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

शोभायात्रा कस्बे के मंगलेश्वर बगीची से आकर्षक बैंड–बाजों के साथ प्रारंभ हुई। यह यात्रा निषाद मोहल्ला होते हुए मुख्य

बाजार पहुंची, जहां पर डॉक्टर तुलाराम तिवारी के नेतृत्व में युवा समाजसेवी लोकेश गर्ग, गिरीश तिवारी, चाहत गोयल, दीपक बंसल और कपिल गर्ग ने अध्यक्ष मेघश्याम निषाद का स्मृति चिन्ह एवं शॉल ओढ़ाकर भव्य स्वागत किया। साथ ही मिष्ठान वितरण कर सभी का अभिनंदन किया गया।

शोभायात्रा का कस्बे में जगह–जगह विभिन्न समाजों एवं समाजसेवियों द्वारा स्वागत किया गया। पूरे मार्ग में "निषादराज महाराज की जय" के जयघोष गूंजते रहे, जिससे वातावरण भक्तिमय बना रहा।

इसके पश्चात शोभायात्रा पटेल चौक होते हुए पुनः मंगलेश्वर बगीची पहुंचकर संपन्न हुई।

इस अवसर पर बीर नारायण निषाद, संतोष कश्यप, कमल सिंह निषाद, धनो मेंबर, रामलाल, महेश राजपूत, कुमारपाल निषाद, गंगाराम निषाद, परशुराम निषाद, देवी चरण, चंदू निषाद, कान्हा निषाद सहित सैकड़ों की संख्या में महिला, पुरुष एवं बच्चे उपस्थित रहे। सभी ने एकजुट होकर निषादराज महाराज जी के जयकारे लगाए और समाज की एकता का संदेश दिया।

उत्तर मध्य रेलवे

सं. 74-W/CSP/SFG/Estimate & Tender/Aggregate दिनांक : 07.04.2026

शुद्धि पत्र संख्या 01

निविदा संख्या : 74-W-CSP-26-27-01
दिनांक : 03.04.2026

कार्य का नाम : सीएसपी/एसएफजी/पीआरवाईजे को पेनाइट पत्थर के 20 मिमी और 10 मिमी आकार की गिट्टी और नदी की मोटी रेत की आपूर्ति।

विस्तार का कारण : प्रशासनिक कारणों से तथा संभावित निविदाकारों को निविदा प्रस्तुत करने हेतु पर्याप्त समय प्रदान करने के उद्देश्य से निम्नलिखित संशोधन किए जाते हैं।

निविदा कार्यक्रम में संशोधन

विवरण : निविदा बंद होने की तिथि एवं समय

पूर्व निर्धारित दिनांक एवं समय : 27.04.2026 को 15:00 बजे

संशोधित दिनांक एवं समय : 30.04.2026 को 15:00 बजे

निविदा दस्तावेज की अन्य सभी शर्तें एवं नियम यथावत रहेंगे। यह शुद्धिपत्र निविदा दस्तावेज का अभिन्न अंग होगा। 745/26 (C)

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या 26/12 दिनांक: 07.04.2026

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रधान मुख्य सामग्री प्रबन्धक, उ.म.रे., प्रयागराज (आई.एस.ओ.9001 : 2015 प्रमाणित इकाई)। निम्नलिखित मदों के लिए ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं।

क्र. सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	निविदा खुलने की तिथि
1	60255017	इलैक्ट्रिक ओवरहेड ट्रैवेलिंग क्रेन	1 सेट	30.04.2026
2	30262736	बॉल ज्वाइंट रॉड लिंक फॉर कैरियर बोगी ऑफ एलएचबी कोचेज	8084 नग	28.04.2026
3	38251900	पीओएच किट फॉर सी0डब्लू2 टाइप डिस्ट्रीब्यूटर वाल्व	697 नग	16.04.2026
4	38263277	टॉप साइड बेयरर लाइनर	7830 नग	20.04.2026
5	90261091	एमएस प्लेट 40 x 6 एम एम	118251 किग्रा	23.04.2026
6	70253058B	ब्रेजिंग रॉड	177 किलो	29.04.2026
7	20255023	सेट ऑफ डैम्पर्स (शॉक एब्जॉर्बर्स) फॉर डब्लूएपी-7 लोको	30 सेट	29.04.2026

नोटः उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाईट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदाओं में किसी भी बदलाव/शुद्धि-पत्र के लिए कृपया इस वेबसाईट को नियमित रूप से देखें। समाचार-पत्र में कोई अलग से शुद्धि-पत्र/परिवर्तन प्रकाशित नहीं किया जाएगा। 760/26 (MG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं. 02202026202? दिनांक : 06.04.2026

ई–निविदा सूचना

मण्डल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिये ई-निविदाएं निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक 29.04.2026 को 13.30 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है:-

क्र.सं : 1 | निविदा नं.: 05 | अनुमानित मूल्य (₹): ₹ 7948384.39 | बयाने की रकम ₹: ₹159000.00

कार्यों का विवरणः संयुक्त निविदा (ए) हाथरस-हाथरस फोर्ट सेक्शन में नॉन- इंटरलॉक एल0सी0 गेट नंबर 8 एच0के0 के इंटरलॉकिंग का कार्य। (बी) वरिष्ठ मण्डल अभियन्ता चतुर्थ के अधीन सी(आर0एस0) टूंडला और हाथरस में पुराने और जर्जर भवन के स्थान पर नए उप-स्टेशन भवन के निर्माण का कार्य।

क्र.सं : 2 | निविदा नं.: 06 | अनुमानित मूल्य (₹): ₹ 6825398.33 | बयाने की रकम ₹: ₹ 136500.00

कार्यों का विवरणः सहायक मण्डल अभियंता टूंडला के अधीन टूंडला स्थित मौजूदा मॉनिटरिंग भवन की पहली मंज़िल पर बी0एल0सी0 मॉनिटरिंग केंद्र के विस्तार का कार्य।

कार्य समापन की अवधि : 08 माह | निविदा खुलने की तिथि : 29.04.2026

सिमिलर वर्क के लिये न्यूनतम वांछनीय आधारः भवन निर्माण का कार्य।

1- ई - निविदा प्रपत्र सभी निविदादाताओं को निःशुल्क निर्गत किये जायेंगे। 2- उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित IREPS वेबसाइट www.ireps.gov.in पर निविदा खुलने की तिथि दिनांक 29.04.2026 समय 13:30 बजे तक उपलब्ध है। 3- उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु टेन्डरों को चाहिये कि वे अपने आपको I.T. Act-2000 के अन्तर्गत C.C.A. द्वारा जारी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 4- निविदादाता अपनी निविदा के साथ निर्धारित प्रोफार्मा पर प्रमाणपत्र जैसा निविदा पत्र में उल्लिखित है, प्रस्तुत करेंगे, जिसके अभाव में उनकी निविदा अविचारणीय होगी तथा निरस्त कर दी जायेगी। 5- किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 6 - निविदादाता को जी. सी. सी. अप्रैल 2022 भाग- I के पैरा 10 से 18 के अनुपालन में उल्लिखित आवश्यक दस्तावेजों को निविदा के साथ अनिवार्य रूप से संलग्न करना है अन्यथा उनकी निविदा अपूर्ण मानी जायेगी एवं तदनुसार अविचारणीय होगी। 758/26(DG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.....

बंद करो यह लड़ाई, जिसमें सारी मानवता कराह रही है

1990 –91 तक हम मानते थे कि दुनिया सोवियत यूनियन और अमरीका के 2 शक्तिशाली गुटों में बंटी हुई है, परंतु सोवियत यूनियन के अंतिम कम्युनिस्ट राष्ट्रपति गर्बाच्योव के बाद सोवियत यूनियन जैसा शक्तिशाली देश विश्व राजनीति में कमजोर पड़ गया। दुनिया में अमरीका की चढ़त बन गई। अमरीका दुनिया भर के तेल भंडारों पर अपना एकाधिकार जमाना चाहता है। एक बहाना ढूंढ लेता है कि अमुक–अमुक देश के पास परमाणु बम है और अमरीका उस देश पर आक्रमण कर देता है। निकलता किसी भी देश से कुछ नहीं, परंतु अमरीका की विस्तारवादी राजनीति की विजय हो जाती है। कमाल तो तब हुआ जब वेनेजुएला जैसे प्रभुसत्ता सम्पन्न देश के राष्ट्रपति और उनकी धर्मपत्नी को सत्ताच्युत कर अमरीका की एक बहुत खतरनाक आपराधिक जेल में डाल दिया गया। उससे भी बड़ा कमाल यह था कि विश्व का कोई भी देश वेनेजुएला के राष्ट्रपति के साथ हुए अमानवीय व्यवहार के लिए 'आह' तक नहीं भर सका। अमरीका का इतना डर? अमरीका ने यही हाल वियतनाम का किया, परंतु शुक्र है कि वियतनाम ने लम्बे संघर्ष के बाद अमरीका को अपमानित कर वियतनाम की प्रभुसत्ता को बनाए रखा। अफगानिस्तान से रूस और अमरीका दोनों बड़ी शक्तियों को निकालना पड़ा। ईराक के लोकप्रिय राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन को भी उसी बहाने से फांसी पर चढ़ा दिया गया, कि वह परमाणु बमों और रासायनिक विस्फोटक पदार्थों से दुनिया को खतरे में डाल रहा है। लीबिया के तानाशाह कर्नल गद्दाफी का भी यही हश्र किया गया। वर्तमान अमरीका–इसराईल और ईरान के युद्ध ने उन इस्लामिक देशों को भी युद्ध में धकेल दिया है, जिन्होंने अमरीका को अपने हवाई अड्डों के इस्तेमाल की आज्ञा दे रखी है। खाड़ी के लगभग 20 देश आज युद्ध की लपेट में हैं। दुबई की ऊंची–ऊंची इमारतें धराशाही हो रही हैं। सीरिया, लेबनान, बेरूत, कतर जैसे बीसियों इस्लामिक देश ईरानी मिसाइलों की मार झेल रहे हैं। आखिर क्यों कोई अमरीका के आगे मुंह नहीं खोल रहा? अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प धमकी पर धमकी दे रहे हैं कि ईरान तबाह हो चुका है। खामेनेई जो ईरान के धार्मिक नेता थे, को अमरीका की गुप्तचर एजैंसियों ने निशाना बना परिवार सहित मार दिया। ईरान के बड़े–बड़े फौजी कमांडर मारे जा चुके हैं। मार्च, 2026 में अमरीका–इसराईल द्वारा ईरान पर किए गए हमले का मुख्य कारण ईरान के परमाणु कार्यक्रम को रोकना, ईरान के मिसाइल विकास को सीमित करना और क्षेत्र में अमरीकी सहयोगियों पर ईरान समर्थित समूहों के हमलों को रोकना था। यह कदम 1979 से जारी दशकों पुराने भू–राजनीतिक तनाव, होर्मुज जलडमरूमध्य की सुरक्षा और शासन परिवर्तन के उद्देश्य से शुरू हुआ था। पाठकवृंद यह न समझें कि युद्ध में हारने वाला ही हारता है। जीतने वालों का भी कुछ नहीं बचता। युद्ध में कोख धरती मां की बांझ होती है। आपने मिसाइलों द्वारा बनाए गए गड्ढों को नहीं देखा? आकाश में धुएं के उठते गुबार को नहीं देखा? आपने दोनों ओर से मरते सैनिकों के शवों पर मंडराती चीलों को नहीं देखा? युद्ध किसी समस्या का हल नहीं। युद्ध स्वयं ही एक अनसुलझी समस्या है। युद्धों में देशों की सीमाएं बंट जाती हैं। युद्ध में विजयी हारने वाले देशों से जो व्यवहार करते हैं उससे मर जाना बेहतर है। जंग अमरीका ने शुरू की थी, अब अमरीका ही इसे खत्म करेगा। क्या अमरीका, इसराईल और ईरान युद्ध के प्रभावों से अनभिज्ञ हैं? टैंक जब चलते हैं तो वे अपना–पराया कुछ नहीं देखते? क्या अमरीका ने कभी सोचा है कि बच्चों, बूढ़ों और नारी जाति का युद्ध के बाद क्या हाल होता है? विधवा और बेबस मांओं के अपने पतियों या अपने बेटों के लिए क्रंदन को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प जैसे नेता सुन पाएंगे? बंद करो यह लड़ाई, जिसमें सारी मानवता कराह रही है। युद्ध में किसी का भला नहीं परंतु एक बात सत्य है कि दुनिया में शांति स्थापित करने वाला संयुक्त राष्ट्र युद्ध रोकने में पूर्णतया असफल सिद्ध हुआ है।

विनाश की अनुगूंज है आतंकवाद

वक्त रहते समझ आ गई, यही अच्छा... संगीता 'सुमन'

बहुत अच्छा हुआ कि अमेरिका ने हार मान ली और एक बार फिर यह बात साबित हो गया कि दुनिया को इंसानियत और प्यार से ही जीता जा सकता है और हक़ की लड़ाई में अन्यायी की जीत मुश्किल ही नहीं नामुमकिन भी है।

आतंकवाद एक अमानवीय आपराधिक कृत्य है,

जिसका उद्देश्य जन मानस की जीवन हानि और जन समूहों में भय उत्पन्न कर अपना लक्ष्य प्राप्त करना है। इनकी उत्पत्ति में विश्व राजनीति का हाथ रहा है मगर भयावह यह है कि बहुत से आतंकी गुट विश्व राजनीति के विभिन्न गुटों के लिए आज भाड़े पर काम कर रहे हैं,देश में अशांति फैलाने और अस्थिरता लाने के मिशन पर लगे हैं। ये पूरे विश्व और समूचे समाज के लिए बड़ी चुनौती है।

चिंता का विषय है कि दूर दूर तक केवल अंदेशे ही अंदेशे दिखाई पड़ते हैं कि कैसे पूरा सिस्टम अपनी स्वार्थपरकता में धंसता जा रहा है और विध्वंस का कारण केवल नशे में धुत्त, अभावग्रस्त, बेरोजगार और विचलित युवाओं को ठहराया जा रहा है,जो कि सिस्टम के अतिरिक्त किसी अन्य की देन नहीं है,इसकी सत्यता की पूर्ण परीक्षा अभी बाकी है परन्तु आंशिक रूप से यह सत्य उद्घाटित है। आज जबकि आतंकवाद सिर्फ़ एक शब्द नहीं एक तथाकथित व्यवसाय और पूरी मानवता के लिए सबसे बड़ा नुक्सान है,जिसकी भरपाई पूरी मानव जाति और लगभग हर देश को करना पड़ रहा है। हमें इसके प्रकारों पर विशेष रूप से ग़ौर करना होगा। राजनीति, धार्मिक, जातीय /मज़हबी और वैचारिक आतंकवाद के अलावा अब साइबर आतंकवाद, नार्को और जैविक ये कुछ आतंकवाद के नये रुप सामने आ रहे हैं।

ये विनाश की अनुगूंज है जो सभ्य मानव समाज की परतों को छेद कर भयावहता की शक्ल लेती जा रही है अलग अलग देशों को अपनी शर्तों के अनुसार आतंकवाद को परिभाषित करना पड़ा है , क्योंकि इसकी कोई एक फिक्स्ड डेफिनेशन अभी तक तो नहीं मिली है और न उस पर सभी देशों की कोई एक आम राय बन सकी है। जिससे टेररिज़्म का अलग–अलग मतलब निकाला गया है। इसके बावजूद व्यापक तौर पर अंतर्राष्ट्रीय समुदाय ऐसी गतिविधि को आतंकवाद के रूप में परिभाषित करता है , जिसमें धमकी या हिंसा के ज़रिए लोगों या सरकारों पर दबाव बनाया जाता है और जिसकी वजह से लोगों की मौत होती है। वो गंभीर रूप से घायल होते हैं या उन्हें बंधक बना लिया जाता है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर लगभग 16 समझौते टेररिज़्म के मुद्दे से जुड़े हुए हैं, लेकिन कई बार चर्चा, बहस और विचार–विमर्श के बाद भी अंतर्राष्ट्रीय समुदाय आतंकवाद की एक सामान्य परिभाषा को लेकर सहमत नहीं हो पाया है।

1996 में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 49वें सत्र के दौरान भारत ने आतंकवाद से निपटने के लिए एक व्यापक अंतर्राष्ट्रीय कानून का प्रस्ताव दिया था। संयुक्त राष्ट्र (न्छ) को लिखी गई चिट्ठी में इस बात पर ध्यान दिलाया गया था कि एक व्यापक कानून की सख्त ज़रूरत है, जो क़ानूनी तौर पर अनिवार्य हो और जो आतंकवाद से जुड़े सभी समझौतों को एक करता हो। इसमें कहा गया कि अक्सर टेररिस्ट किसी एक देश में अपने अभियानों को अंजाम देते हैं और फिर दूसरे देश में पनाह ले लेते हैं। इसलिए इस बात को अनिवार्य आवश्यकता माना गया है कि एक अंतर्राष्ट्रीय क़ानून पारित किया जाए।

भारत में पहली बार नक्सली विचारधारा को आतंकवाद माना गया। बंगाल के कुछ क्षेत्रों में अपनी मांगों को लेकर हिंसक होने की ये प्रवृत्ति धीरे धीरे अन्य राज्यों उड़ीसा, झारखंड और छत्तीसगढ़ में भी बढ़ती चली गई थी। छत्तीसगढ़ के सुकमा, बस्त एवं बीजापुर जैसे इलाक़ों में आए दिन आम जन से लेकर पुलिस अधिकारियों , कर्मचारियों की नक्सली मुठभेड़ में मौत की ख़बरें आती रही हैं। हालांकि सरेंडर की गतिविधियों के चलते नक्सली मूवमेंट लगभग बंद सा है, परंतु इन नक्सली गतिविधियों को भी पहली बार भारत में आतंकवाद की श्रेणी में रखा गया है। यूं तो मैं समझती हूं कि वो सारे प्रयास, सारे कृत्य जो किसी व्यक्ति को मानसिक रूप से हिंसक बना रहे हैं, आतंकवाद माने जाने चाहिए। फिर किसी दल या पार्टी द्वारा दूसरे दल या पार्टी के लोगों को जानो माल का नुक़सान पहुंचाना हो या फिर एक वर्ग विशेष को आकृष्ट करने के लिए किए जाने वाले अनुचित प्रयास हों , वोट की राजनीति हो या फिर बहला फुसलाकर किया जाने वाला धर्मांतरण , विवाह या फिर किसी तरह का कोई शोषण। इन सारे कृत्यों में अति को हम आज नहीं तो कल निःसंदेह आतंकवाद के पर्याय के रुप में ही देखने वाले हैं।

वक़्त को घसीट कर पीछे नहीं ले जाया जा सकता और न अदालतों में उनकी गवाहियां हमारे लिए कोई अलग सत्य उद्घाटित कर सकती हैं। इतिहास तो हमेशा से इसी बात का गवाह रहा है कि ज़ोर ज़बरदस्ती और आतंक से केवल रक्तपात हुआ और जितनी बार हुआ है , केवल मानवता नहीं मरी ज़िन्दगी की सूरतें भी कम होती चली गई हैं। मानव समाज की जिन लक्षणों से पहचान हुई , वो लुप्त होते जा रहे हैं। जिन व्यवहार –संस्कारों की वजह से धरती पर मनुष्य जीवन को सबसे अनमोल कहा गया है , उस की असलियत , उसकी मौलिकता दांव पर लगी है। अब भी कोई हिंसक आदमी जाग कर कहीं नस्ल या मज़हब या ताक़त के नाम पर लोगों को भड़का रहा होगा ।। फिर ऐसे ही उकसाई हुई नस्लें अपना बदला चुकाने चल पड़ेंगी, लेकिन अब तक ?

ज़िन्दगी के तमाम रास्ते किसी न किसी पछतावे की ओट से ही निकलते हैं और जब तक कोई एक पछतावा उभरता है तब तक दूसरा , तीसरा , चौथा अंधेरा सामने खड़ा हो जाता है और जहां मरूस्थल हो वहां तो न दूर तक रास्ते नज़र आते हैं और न कोई मंज़िल। वक़्त के इस बियाबान रेगिस्तान से निकल कर तलाशनी होगी ऐसी इक डगर जिस पर चल कर देश – दुनिया में नफ़रत का एक पाकिस्तान बनाने के कुप्रयास रोके जा सकें। आख़िर क्यों आज हर आदमी नफ़रत के सहारे, सत्ता के अहंकार में अपने ही लोगों के ख़िलाफ़ एक दूसरा पाकिस्तान बनाना चाहता है? क्या सच में अब नफ़रत ही व्यक्ति को पहचान दे रही है? क्या इस नफ़रती एकता के लिए हमारा अतीत , हमारा इतिहास काम आ रहा है? ऐसे कई सवाल आप को भी परेशान करते होंगे, न करते हों तो करने चाहिए क्योंकि ज़िन्दगी की एक नई तामीर के लिए प्रेम, अपनेपन और सद्भाव की नींव बहुत ज़रूरी है। आज के नफ़रती माहौल में चीख– पुकारों और आहों से मानवीयता के कान के पर्दे फटे जा रहे हैं । मुझे डर है ,मनुष्य के प्रेम का सदियों पुराना इतिहास कहीं सच में भुला न दिया जाए?

आप कहेंगे कलयुग है , प्रलय का समय समीप आ रहा है शायद इसलिए यह सब हो रहा है ,तो याद कीजिए महाभारत का अंत और उससे भी पहले याद कीजिए देश के बंटवारे की वो तस्वीर । हम उन सब से ऊबर कर आज़ाद भारत की 21 सदी के आधुनिक और तकनीकी रूप से समृद्ध समाज में जो सांस ले रहे हैं, वो हम ने ही बनाई है। हम जानते हैं कि पाकिस्तान और भारत के बंटवारे में इंसान कभी नहीं बंटा था। क़रीब डेढ़ महीने से ज़्यादा दुनिया ईरान इज़राइल का युद्ध देखती रही है और उसके परिणाम देख, समझ कर अब कहीं कुछ संतोष हुआ है।

जो भी हुआ या आगे होगा, उस भविष्य के लेखक भी हम ही होंगे तो समूची दुनिया याद रखे कि नफ़रत और दहशत की बुनियाद पर बनने वाली कोई भी चीज़ मुबारक नहीं हो सकती।

संगीता 'सुमन'

अपशब्दों पर उतरे ट्रंप

अंग्रेजी की एक पुरानी कहावत है कि श्मुझे बताओ कि तुम्हारे दोस्त कौन हैं और मैं तुम्हें बताऊंगा कि तुम कौन हो, तात्पर्य यह कि हम जिस संगत में रहते हैं, उससे हमारे चरित्र का भी पता चलता है। हम नहीं जानते कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस विचार से कितना सहमत हैं। क्योंकि वे अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू दोनों को अपना करीबी मित्र बताते हैं। उनके साथ व्यवहार भी कूटनीतिक शिष्टाचार से परे जाकर करते हैं। नेतन्याहू तो पहले ही युद्ध अपराधी ठहराए जा चुके हैं। ट्रंप उसी राह पर आगे बढ़ रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप पर कभी कोई मुकदमा अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में दर्ज होगा या नहीं, कहा नहीं जा सकता। लेकिन इस समय उनकी भाषा में जो गिरावट स्पष्ट परिलक्षित है, कम से कम उसका ख्याल रखकर ही नरेन्द्र मोदी को उनसे दूरी बना लेनी चाहिए। दरअसल ईरान पर अमेरिका और इजरायल को जंग छेड़े छह सप्ताह हो चुके हैं, जिसमें कई बार जीत का दावा करने के बावजूद डोनाल्ड ट्रंप जीत के लक्षण नहीं दिखा पाए। बल्कि बार–बार युद्धविराम की अवधि को बदलते हैं और साथ ही उनकी धमकियां भी बदल रही हैं। ईरान में सत्ता परिवर्तन के ऐलान से शुरु हुआ यह युद्ध अब नागरिकों को निशाने पर लेने की धमकियों पर उतर आया है। रविवार को ईस्टर के मौके पर अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ पर ट्रंप ने ईरान को धमकी दी कि 48 घंटों में होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग खोलो वर्ना परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहो। ट्रंप ने लिखा कि मंगलवार को ईरान के बिजली संयंत्रों और पुलों पर व्यापक हमले हो सकते हैं, और इसे संघर्ष का निर्णायक क्षण बताया। लेकिन यह सब इसी तरह की शालीन भाषा में नहीं लिखा गया, बल्कि उन्होंने अपशब्दों का इस्तेमाल किया। और यह पहली बार नहीं है कि ट्रंप ने इस तरह सार्वजनिक तौर पर अपशब्द कहे हों। इससे पहले उन्हें पत्रकारों से चर्चा के दौरान या भाषण देते हुए भी अपशब्द बोलते देखा गया है। यह किसी लिहाज से स्वीकार्य नहीं होना चाहिए और वैश्विक नेताओं को खुलकर इसकी भर्त्सना करना चाहिए। नरेन्द्र मोदी से इसकी शुरुआत हो तो कितना अच्छा रहेगा। वैसे संयुक्त राष्ट्र में ईरानी मिशन ने ट्रंप की नवीनतम टिप्पणियों की निंदा करते हुए कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ईरान में श्नागरिकों के जीवन के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे को नष्ट करने, की धमकी दे रहे हैं। मिशन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, श्यदि संयुक्त राष्ट्र की अंतरात्मा जीवित होती, तो वह युद्ध भड़काने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने की खुली और बेशर्म धमकी पर चुप नहीं रहती। ट्रंप इस क्षेत्र को एक अंतहीन युद्ध में घसीटना चाहते हैं।, इसमें कहा गया, श्यह नागरिकों को आतंकित करने के लिए प्रत्यक्ष और सार्वजनिक उकसावा है और युद्ध अपराध करने के इरादे का स्पष्ट प्रमाण है।, इसमें आगे कहा गया– श्अंतरराष्ट्रीय समुदाय और सभी राज्यों का यह कानूनी दायित्व है कि वे युद्ध अपराधों के ऐसे जघन्य कृत्यों को रोकें। उन्हें अभी कार्रवाई करनी चाहिए। कल बहुत देर हो जाएगी।, वहीं ईरानी संसद के अध्यक्ष गलिबाफ ने कहा कि ट्रंप के श्लापरवाह कदमों से अमेरिका के हर परिवार को एक जीती–जागती नरक में धकेला जा रहा है, हमारा पूरा क्षेत्र जल उठेगा क्योंकि आप नेतन्याहू के आदेशों का पालन करने पर अड़े हैं।, गलिबाफ के इस बयान से असहमत होने का कोई कारण नहीं है, क्योंकि ट्रंप जिस तरह अपने बयान बदल रहे हैं, उसमें यही लगता है कि पटकथा कोई और लिख रहा है, केवल संवाद अदायगी ट्रंप की है। क्योंकि अपशब्द वाले बयान के बाद ट्रंप ने फॉक्स न्यूज के एक पत्रकार से कहा, मुझे लगता है कि सोमवार को समझौता होने की अच्छी संभावना है, वे (ईरान) अभी बातचीत कर रहे हैं। तो ट्रंप को लगता है कि ईरान अब भी उनसे बात कर समझौता करेगा, जबकि ईरान की सबसे बड़ी सैन्य कमांड यूनिट खातम अल–अनबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर के प्रवक्ता ने कहा, श्अगर आम लोगों पर हमले दोहराए गए, तो हमारे अगले हमले और जवाबी कार्रवाई पहले से कहीं ज़्यादा खतरनाक और बड़े पैमाने पर होंगे।, ध्यान देने वाली बात यह है कि ईरान केवल धमका नहीं रहा है, अपनी बात पर अमल भी कर रहा है। अमेरिका का साथ देने वाले खाड़ी देशों समेत इजरायल पर ईरान के हमलों को कोई रोक नहीं पा रहा है।

सीमा वर्णिका की कलम से

'घर वापसी'

कुछ दिनों से संगीतज्ञ राधारमण जी के पास एक युवती संगीत सीखने आ रही थी। जैसा रूप वैसा मधुर स्वर था चाँदनी का.. बस सुर नहीं सधते थे। गुरुजी पूरी तन्मयता से सिखाने में लगे थे। थोड़ी दिन में उनकी मेहनत रंग लाने लगी। चाँदनी को भी सीखने की बड़ी ललक थी वह हर बारीकी पर पूरा ध्यान देती धीरे–धीरे उसकी प्रस्तुति में बेहद निखार आने लगा था। राधारमण जी चाँदनी से बेहद प्रभावित थे यहाँ तक की एक जुड़ाव सा महसूस करने लगे थे और चाँदनी के गीतों में खुद को तलाशते। चाँदनी का संगीत साधना अभ्यास का अंतिम दिन निकट ही था।

राधारमण जी अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख पा रहे थे एक तरफ गाँव में परिवार के प्रति नैतिक कर्तव्य झकझोरता दूसरी तरफ चाँदनी का लावण्य उन्हें कमजोर कर रहा था। उधर चाँदनी भी राधारमण के प्रति आकृष्ट थी। इसका कारण दोनों का हम उम्र होना नहीं था बल्कि गुरुजी तो अधेड़ावस्था के दौर से गुजर रहे थे। उम्र का यह दौर वह होता है जब परिवार के प्रति कर्तव्य और दायित्व ही प्रेम का पर्याय बन जाते और प्रेम का वह मधुर भावनात्मक रूप कहीं पीछे छूट जाता है। पति–पत्नी के बीच संवादहीनता, चिड़चिड़ापन व विरक्ति भाव अपना अस्तित्व बना लेता है। दोनों परस्पर एक दूसरे की भावना से अनजान रहने लगते या एक दूसरे को समझने की आवश्यकता ही नहीं समझते। ऐसे में कहीं किसी झरोखे से हवा का झोंका आकर तप्त मन को शीतल कर दे तो मन का सहज ही आनंदित होना स्वाभाविक है। ऐसा ही कुछ राधारमण जी चाँदनी के साथ महसूस करने लगे थे। बातों बातों में कब वह दोनों अपने व्यक्तिगत जीवन की तमाम बातें तथा अपना दुःख सुख आपस में बाँटने लगे । धीरे–धीरे उनकी पत्नी उन दोनों के मध्य तीसरी बन गई जिससे औपचारिक बातचीत भी लगभग बंद सी हो गई थी।

दीपावली करीब थी राधारमण जी को त्योहार पर घर जाना पड़ा। भारी मन से वह घर पहुँचे मन नहीं लग रहा था थोड़ी–थोड़ी देर में अपने फोन का निरीक्षण करते रहते.. उधर चाँदनी का भी यही हाल था। असल में साथ की आदत भी लगाव का ही एक रूप है। उनकी पत्नी ने अपने पति के व्यवहार में परिवर्तन को शीघ्र ही भाँप लिया था। उसने उन्हें खुश करने के लिए कभी उनकी पसंद का खाना बनाती कभी कोई अच्छी बात सुनाती..बच्चों के बीच राधारमण जी भी कई बार सहज नहीं हो पाते मन में मंथन चलता रहता मन आत्मग्लानि से भर उठता कि वह जो कर रहे हैं वह उचित नहीं। वह सहज नहीं हो पा रहे थे पत्नी कुछ गलत न सोचे इस कारण उसे पर भी कुछ ज्यादा स्नेह उड़ेल रहे थे। कभी–कभी स्थितियाँ अजीब सी बनावटी हो जाती।

राधारमण जी के चेहरे पर एक अजीब सी खुशी आँखों में एक अलग सी चमक दिखने लगी थी। यह प्यार होता ही ऐसा इंसान की रंगत बदल देता है।राधारमण जी का घर का कोना पकड़कर फोन में डूबे रहना या घर से दूर जाकर बातें करना पत्नी की नजर से बचा नहीं था। राधा रमन जी का शहर जाने का समय नजदीक आ रहा था पत्नी ने इच्छा जताई की क्यों न बच्चों की आगे की शिक्षा शहर में दी जाए हम सभी परिवारजन वही रहे चलकर । राधारमण जी अचानक यह प्रस्ताव सुनकर बौखला गए झल्ला पड़े तुम लोग कुछ भी सोच लेते हो। अरे! शहर में रहना मजाक है क्या.. देखा जाएगा पत्नी ने कहा,ष्अरे! शहर में रहना आसान नहीं तो आप भी यही रहे अपना संगीत स्कूल खोल लें। हम सब साथ रहेंगे.. किशोर होते बच्चों का भविष्य भी सुरक्षित हो जाएगा।ष घर में बहस बहुत बढ़ गई राधारमण जी इसी बहाने दो दिन पहले ही शहर लौट गए।

चाँदनी को जैसे ही सूचना मिली वह राधारमण जी के पास मिलने पहुँच गई। राधारमण जी ने घर की बहुत सारी बातें अपने हिसाब से चाँदनी से साझा कीं। चाँदनी दया सहानुभूति भाव से भर उठी। लगा राधा रमन जी अपनी पत्नी नहीं किसी खलनायिका के चंगुल से निकाल कर आए हो। भावविह्वल राधारमण जी चाँदनी की गोद में सिर रखकर बैठ गए उन्हें स्वर्गिक आनंद की अनुभूति हो रही थी । चाँदनी तुम कितनी अच्छी हो.. सब तुम्हारी तरह क्यों नहीं है ..इतने सुलझे हुए ..इतने समझदार राधारमण जी भावुकता में बोल रहे थे।

ष्काश! तुम मुझे पहले मिली होती तो जिंदगी आज इतनी कठिन न होती,ष राधारमण जी अश्रुपूरित आँखों से देखते हुए चाँदनी से बोले।

ष्चाँदनी हम दोनों नदी के वह किनारे हैं जो कभी मिल नहीं सकते,ष वह भाव प्रवाह में बोलते जा रहे थे।

ष्ओफ्फो! मिल नहीं सकते तो क्या हुआ साथ चल तो सकते हैं आज वादा करती हूं कि मैं आपका साथ और हाथ कभी नहीं छोड़ूंगी किसने कहा साथ देने के लिए शादी जरूरी है मैं आपसे दूर रहकर भी सदा आपकी रहूंगी आपका जब मन करे मेरे पास आ जाना हमसे बातें करना अपना सुख दुख कहना,ष चांदनी भावुकता में निर्णय लेते हुए बोली। कुछ देर बाद चाँदनी अपने घर चली गई।

राधारमण जी चिंता में डूबे थे.. आत्ममंथन चल रहा था..मेरा परिवार क्या कहेगा.. यह समाज क्या सोचेगा?.. क्या मुझे अपनी खुशी.. अपनी जिंदगी के बारे में सोचने का हक नहीं है चाँदनी की जिंदगी अपने लिए बर्बाद करना क्या उचित होगा राधारमण जी असमंजस में पड़े थे क्या करें कि क्या न करें.. अम्मा बाबूजी क्या सोचेंगे क्या यह पत्नी के प्रति धोखा नहीं होगा बच्चों का भविष्य भी तो उनकी जिम्मेदारी है।

अगले दिन चाँदनी आई तो कमरे पर ताला लगा देख मकान मालिक से पूछा वह बोले राधारमण अपने गाँव वापस लौट गए। अब वह वही रहेंगे। चाँदनी समझ नहीं पा रही थी कि अचानक ऐसा क्या हुआ.. उनका फोन भी बंद आ रहा था।

सीमा वर्णिका, कानपुर

`कॉकटेल 2' के गाने `जब तलक' का फर्स्ट लुक रिलीज, निराश हुए फैंस, बोले- `ये तो पहले ही देख लिया था'

> गाने से पहली 'कॉकटेल' और 'जिंदगी ना मिलेगी दोबारा' फिल्म की मस्ती की झलक दिखाई दी। हालांकि ये क्लिप सामने आने के बाद फैंस ज्यादा खुश नहीं दिखाई दिए।

शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना की आने वाली फिल्म 'कॉकटेल 2' बीते कुछ दिनों से सुर्खियों में हैं। मेकर्स थोड़े–थोड़े टाइम पीरियड में फिल्म से जुड़ी झलकियां फैंस के साथ शेयर कर रहे हैं। इस बीच आज भी उन्होंने फिल्म के गाने 'जब तलक' का लुक शेयर किया है। हालांकि इससे फैंस ज्यादा खुश नजर नहीं आए। मेकर्स के साथ फिल्म के एक्टर्स ने भी इस गाने का लुक शेयर किया। शाहिद कपूर ने अपने इंस्टाग्राम पर इसे शेयर कर लिखा– 'इस समर और भी ज्यादा गर्मी पड़ने वाली है।' गाने के क्लिप में तीनों एक्टर्स काफी कूल लुक में नजर आए, साथ ही इंजॉए करते हुए और पार्टी करते दिखाई दिए। गाने की क्लिप देखकर लग रहा है कि मूवी दोस्ती, प्यार और पागलपन के इर्द–गिर्द घूमेगी, जो गाने के लुक में भी मेकर्स ने लिखा। गाने से पहली 'कॉकटेल' और 'जिंदगी ना मिलेगी दोबारा' फिल्म की मस्ती की झलक दिखाई दी। हालांकि ये क्लिप सामने आने के बाद फैंस ज्यादा खुश नहीं दिखाई दिए। बता दें कि ये क्लिप थिएटर्स में पहले रिलीज हो चुका था, जिसके बाद इस लुक में मेकर्स ने कुछ अलग नहीं किया। इसी को लेकर लोग नाराज हो गए, और कमेंट में इस बात का जिक्र करने लगे। उन्होंने लिखा कि ये तो हम पहले ही थिएटर में देख चुके थे, फिर इसकी इतनी हाइप क्यों बनाई। कई यूजर्स ने इस बात का जिक्र करते हुए कमेंट किया और इसे निराशाजनक बताया। यह फिल्म 19 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। कॉकटेल 2 एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म है। इसका निर्देशन होमी अदजानिया ने किया है। कॉकटेल 2 साल 2012 में आई फिल्म कॉकटेल का सीक्वल है। कॉकटेल 2 में शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना जैसे एक्टर लीड रोल में हैं।

पूजा हेगड़े के बाद अब मृणाल के साथ रोमांटिक अंदाज में दिखे वरुण

वरुण धवन ने आज अपनी आगामी रोमांटिक–कॉमेडी फिल्म है जवानी तो इश्क होना है से एक खास लुक शेयर किया है। इस नए लुक में वरुण अभिनेत्री मृणाल ठाकुर के साथ पोज देते नजर आ रहे हैं। डेविड धवन द्वारा निर्देशित फिल्म है जवानी तो इश्क होना है से आज वरुण धवन ने एक और नया लुक शेयर किया है। हाल ही में वरुण ने अपनी इस फिल्म से पूजा हेगड़े के साथ एक रोमांटिक लुक शेयर किया था। वहीं आज वरुण ने मृणाल ठाकुर के साथ रोमांटिक पोज शेयर कर फैंस को सरप्राइज कर दिया है।

5 कॉमेडी फिल्म्स और शोज जो देंगे नॉन-स्टॉप हंसी का डोज, मूड खराब हो तो बस ये देख लो!

अगर आपको देसी ह्यूमर, चुटीले डायलॉग्स और फुल एंटरटेनमेंट चाहिए तो यह शो परफेक्ट है। जी5 पर मौजूद यह कॉमेडी कंटेंट अपने आइकॉनिक किरदारों और मजेदार हालातों के कारण दर्शकों को लगातार हंसाता है। गलतफहमियां, कॉमिक टाइमिंग और मजेदार वन–लाइन्स इसे हर उम्र के लिए एंटरटेनिंग बनाती हैं। अगर आपको देसी ह्यूमर पसंद है जिसमें हो चुटीले डायलॉग्स, वर्डप्ले और यादगार किरदार, तो यह आपके लिए परफेक्ट है। भाभीजी घर पर हैं! फन ऑन द रन इस पॉपुलर शो की मस्ती को एक नई ऊंचाई पर ले जाता है, जहां गलतफहमियां, अराजकता और शानदार कॉमिक टाइमिंग भरपूर देखने को मिलती है। इसके आइकॉनिक वन–लाइन्स और किरदारों की केमिस्ट्री इसे और भी मजेदार बनाती है। यह हर उम्र के दर्शकों के लिए एक आसान और एंटरटेनिंग वॉच है।

2. वेलकम

एक कल्ट कॉमेडी जो आज भी उतनी ही मजेदार लगती है। गैंगस्टर्स, कन्फ्यूजन और अजीबोगरीब सिचुएशन्स के बीच बनी यह कहानी हर सीन में हंसी का मौका देती है। ।ज्ञंवद च्तपउम टपकमव पर उपलब्ध यह फिल्म अपने डायलॉग्स और परफॉर्मेंस के लिए आज भी याद की जाती है।

3. चेन्नई एक्सप्रेस

रोमांस, एक्शन और कॉमेडी का जबरदस्त कॉम्बिनेशन। कल्चरल क्लैश और ओवर–द–टॉप सीन्स इसे बेहद मजेदार बनाते हैं।

4. धमाल

चार दोस्तों की खजाने की तलाश और उससे जुड़ी अराजकता इस फिल्म को पूरी तरह कॉमेडी बना देती है। स्लैपस्टिक ह्यूमर और फनी सीक्वेंसेस इसे एक क्लीन और फन वॉच बनाते हैं। ZEE5 पर यह फिल्म हल्का–फुल्का एंटरटेनमेंट चाहने वालों के लिए बेस्ट ऑप्शन है।

5. गो गोवा गॉन

जॉम्बी और कॉमेडी का यूनिक मिक्स, जो बॉलीवुड में कुछ अलग करने की कोशिश करता है। इसके डायलॉग्स और कैरेक्टर्स, खासकर बोरिस, आज भी फैंस के बीच पॉपुलर हैं। जी5 पर मौजूद यह फिल्म थोड़ी अलग, थोड़ी हटके और पूरी तरह एंटरटेनिंग है।

सोमी अली के बयान से फिर सुर्खियों में सलमान खान का अतीत

अमेरिका से भारत आकर बॉलीवुड में अपनी अलग पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस सोमी अली एक बार फिर चर्चा में हैं। इस बार उन्होंने अपने और संगीता बिजलानी के पुराने रिश्ते को लेकर ऐसा खुलासा किया है, जिसने सबका ध्यान खींच लिया है। साथ ही उन्होंने सलमान खान क साथ सलमान के रिश्ते को लेकर भी खुलकर बात की है। हाल ही में एक इंटरव्यू में सोमी अली ने बताया कि अतीत में घटी एक घटना के चलते सलमान और संगीता का रिश्ता टूट गया था। उन्होंने बताया कि एक दिन जब वह और सलमान साथ थे, तभी संगीता वहां पहुंच गईं। दोनों को साथ देखकर संगीता ने सलमान के सामने साफ तौर पर फैसला लेने की बात रखी। इसके बाद सलमान ने अपना निर्णय लिया और उसी के बाद दोनों का रिश्ता खत्म हो गया। सोमी अली ने माना कि उस समय उन्हें अपने कदमों की गंभीरता का अंदाजा नहीं था। उन्होंने कहा कि उस वक्त उन्हें किसी तरह का पछतावा महसूस नहीं हुआ, क्योंकि वह स्थिति को समझने में सक्षम नहीं थीं। हालांकि अब पीछे मुड़कर देखने पर उन्हें एहसास होता है कि वह एक रिश्ते में दखल दे रही थीं, जो गलत था।सोमी ने यह भी कहा कि उस समय उनकी उम्र बहुत कम थी और वह ज्यादा समझदार नहीं थीं। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि किसी भी रिश्ते में केवल महिला को दोष देना सही नहीं है क्योंकि जिम्मेदारी दोनों पक्षों की होती है। उन्होंने यह भी बताया कि उस दौर में वह बहुत भावनात्मक और नादान थीं जबकि सलमान उम्र में बड़े थे और उन्हें परिस्थितियों की बेहतर समझ होनी चाहिए थी। इस तरह सोमी अली ने सालों बाद अपने अतीत को लेकर खुलकर बात की और अपनी गलतियों को स्वीकार करते हुए रिश्तों की जटिलताओं पर भी अपनी राय रखी।

निया शर्मा का रेड हाट अवतार वायरल, रोज ड्रेस में बढ़ाया इंटरनेट का पारा

भारतीय टेलीविजन की सबसे चर्चित और साहसी अभिनेत्रियों में शुमार निया शर्मा एक बार फिर अपने अनोखे फैशन सेंस को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में एक रियलिटी शो के सेट से उनकी कुछ तस्वीरें वायरल हुई हैं, जिनमें वह लाल गुलाबों से सजी एक बेहद ही कलात्मक ड्रेस में नजर आ रही हैं। निया के इस लुक ने सोशल मीडिया पर बहस छेड़ दी है और उनके इस फ्लोरल आर्ट अवतार को साल का सबसे बोल्ड फैशन स्टेटमेंट माना जा रहा है। वायरल हो रही तस्वीरों में निया शर्मा ने गहरे लाल रंग की टू–पीस ड्रेस पहनी है, जो पूरी तरह से 3डी गुलाब के फूलों से निर्मित प्रतीत होती है। उनके ऊपरी हिस्से (ब्लाउज) पर बड़े–बड़े गुलाब के फूल सजे हैं, जो वन–शोल्डर स्ट्रैप के साथ जुड़े हुए हैं। वहीं, उनकी स्कर्ट के ऊपरी घेरे पर भी गुलाबों का एक भारी गुच्छा बनाया गया है, जो उनके फिगर को एक नाटकीय और ग्लैमरस लुक दे रहा है। स्टेज पर कैद की गई इन तस्वीरों में निया का आत्मविश्वास देखते ही बनता है। एक तस्वीर में जहां वह हाथ से इशारा करते हुए कुछ संवाद कर रही हैं, वहीं दूसरी तस्वीर में वह जमीन पर बैठकर कैमरे की ओर तीव्रता से देखते हुए पोज दे रही हैं। उनके स्मोकी आई मेकअप, मोतियों वाले इयररिंग्स और सलीके से बंधे बालों ने इस पूरे लुक को एक इंटरनेशनल रेड कार्पेट जैसा फील दिया है। हमेशा की तरह, निया का यह लुक सामने आते ही इंटरनेट दो हिस्सों में बंट गया है। प्रशंसकों का कहना है कि निया हमेशा कुछ नया करने की हिम्मत रखती हैं। यह केवल कपड़े नहीं, बल्कि एक कला है।

हेल्थ के लिए नुकसानदायक है ठंडा पानी, जानिए इसे अवॉइड करने के 4 कारण

गर्मियों के मौसम में प्यास बुझाने के लिए लोग ठंडा पानी पीना पसंद करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं, जिसे आप प्यास बुझाने के लिए बेस्ट मानते हैं, वह आपके पाचन तंत्र पर भारी पड़ सकता है। जी हां, पानी जितना ठंडा होगा, रिजल्ट उतने ही नुकसानदायक होंगे। आयुर्वेद की मानें तो वह भी ठंडे पानी से दूरी बनाने की सलाह देता है। इसी के साथ जो लोग ठंडा पानी पीना पसंद करते हैं, वे जान लें कि यह एनर्जी को कम कर देता है और किडनी को कमजोर कर देता है। खाने के साथ कभी भी ठंडा पानी न पियें क्योंकि यह आपके द्वारा खाए गए सभी ऑयली चीजों को ठोस बना देता है। इस आर्टिकल में हम बता रहे हैं कि आपको क्यों ठंडा पानी अवॉइड करना चाहिए।

क्यों नहीं पीना चाहिए ठंडा पानी

1) पाचन में होती है परेशानी

ठंडा पानी रक्त वाहिकाओं को सिकोड़ते हैं, जिससे पाचन क्रिया बाधित होती है। यह पाचन के दौरान पोषक तत्वों को अवशोषित करने की प्राकृतिक प्रक्रिया में भी बाधा डालता है। जिससे शरीर का ध्यान पाचन से हट जाता है क्योंकि यह आपके शरीर के तापमान और पानी के तापमान को नियंत्रित करने की कोशिश करता है, जिससे पानी की कमी हो सकती है और आप डिहाईड्रेशन महसूस करते हैं। इसलिए हमेशा कमरे के तापमान पर पानी पीने की सलाह दी जाती है।

2) गले में खराश

बड़े–बुजुर्ग अक्सर ठंडा पानी ना पीने की सलाह देते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि ठंडा पानी पीने से गले में खराश और जुखाम होने के चांस बढ़ जाते हैं। खाने के बाद ठंडा पानी पीने से बलगम की समस्या होने लगती है। हालांकि, जब ट्रैक्ट कंजेशन हो जाता है, तो यह कई इंफ्लामेटरी संक्रमणों की चपेट में आ जाता है।

3) फैट टूटने से रोकता है

एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगर आप अपने खाने के ठीक बाद ठंडा पानी पीते हैं, तो ये आपके द्वारा खाए गए खाने से फैट को ठोस बना देगा, जिससे आपके शरीर में एक्सट्रा फैट को बर्न करने में मुश्किल होगी।ऐसे में खाने के तुरंत बाद पानी पीने की सलाह नहीं दी जाती है।

4) हृदय गति होती है कम

कुछ अध्ययनों की मानें तो ठंडा पानी आपकी हृदय गति को कम करने का काम कर सकता है। माना जाता है कि बर्फ का पानी पीने से दसवीं कपाल तंत्रिका–वेगस तंत्रिका उत्तेजित होती है। पानी का कम तापमान तंत्रिका को उत्तेजित करता है जिससे हृदय गति कम हो जाती है।

बॉडी में होने वाला दर्द देता है स्ट्रेस का संकेत, तनाव से हो जाती हैं ये बीमारियां

डेली रूटीन के कामों की वजह से तनाव होना काफी आम बात है। इतना तनाव तो लगभग हर किसी को रोजाना झेलना पड़ता है। फैमिली में किसी की डेथ से लेकर जिम्मेदारियां और ऑफिस के काम की वजह से होने वाला स्ट्रेस जो थोड़े समय के लिए होता है। वो बिल्कुल सामान्य बात है और इससे सेहत को दुरुस्त रहने का मौका मिलता है। क्योंकि इस तरह के तनाव में बॉडी तेजी से रिएक्ट करती है और हार्ट रेट और ब्रीदिंग रेट्स पर भी असर पड़ता है।

हालांकि जब स्ट्रेस लंबे समय तक बना रहता है तो ये शरीर पर बुरा असर डालता है। तनाव या स्ट्रेस किसी भी तरह का हो सकता है। फिर वो चाहे किसी के जाने का दुख हो या फिर आसपास का माहौल। महिलाएं स्ट्रेस का शिकार ज्यादा होती है। लेकिन तनाव केवल मेंटल हेल्थ पर ही असर नहीं डालता है।स्ट्रेस की वजह से बॉडी पर भी बुरा असर पड़ता है और शरीर के कई सारे अंग डिस्टर्ब हो जाते हैं।

तनाव की वजह से दिल और सांस की बीमारियों का खतरा

स्ट्रेस हार्मोंस की वजह से कार्डियोवस्कुलर सिस्टम और सांस संबंधी सिस्टम पर असर पड़ता है। स्ट्रेस के दौरान सांस तेज चलने लगती है। फेफड़े को पूरे शरीर में ऑक्सीजन वाले ब्लड की सप्लाई पूरे बॉडी तेजी से पहुंचानी पड़ती है। अगर किसी को सांस से जुड़ी दिक्कत जैसे अस्थमा है तो उसे स्ट्रेस में सांस लेने में और भी ज्यादा परेशानी होने लगती है।

बढ़ जाता है ब्लड प्रेशर

स्ट्रेस की वजह से दिल तेजी से ऑक्सीजन वाले ब्लड को पंप कर शरीर में सप्लाई करता है। जिसकी वजह से नसों में खून का प्रेशर बढ़ने लगता है और हाई ब्लड प्रेशर की समस्या हो जाती है। तनाव की वजह से ही हाई ब्लड प्रेशर में स्ट्रोक और हार्ट अटैक का खतरा रहता है.

डायबिटीज का कारण

स्ट्रेस की वजह से लीवर एक्स्ट्रा ब्लड शुगर प्रोड्यूस करने लगता है। जिससे कि शरीर की एनर्जी बनी रहे। लेकिन स्ट्रेस की वजह से इस ग्लूकोज का इस्तेमाल बॉडी नहीं कर पाती। जिसकी वजह से टाइप 2 डायबिटीज का खतरा बन जाता है।

डाइजेशन सिस्टम पर पड़ता है असर

तनाव की वजह से डाइजेशन सिस्टम पर असर पड़ता है। अगर सीने में जलन और एसिडिटी की समस्या बहुत परेशान करती है तो ये ज्यादा तनाव के लक्षण होते हैं। यहां तक कि ज्यादा तनाव की वजह से अल्सर का भी खतरा हो जाता है। पेट में दर्द, उल्टी, मतली आना, कब्ज. डायरिया, ये सारी समस्याएं स्ट्रेस की वजह से होती है क्योंकि स्ट्रेस बॉडी में खाना जाने की मूवमेंट पर असर डालता है। जिससे ये सारी परेशानियां होने लगती हैं।

मांसपेशियों में होने लगता है दर्द

जब आप स्ट्रेस में होते हैं तो मसल्स खुद को चोट से बचाने के लिए काफी सतर्क रहती है। लेकिन जब आप रिलैक्स हो जाते हैं तो शरीर की मसल्स भी रिलैक्स रहती है। अगर आप हमेशा स्ट्रेस में बने रहते हैं तो इन मसल्स को रिलैक्स होने का मौका नहीं मिलता। टाइट मसल्स की वजह से सिर में दर्द, गर्दन, कंधों में दर्द होने लगता है। कई बार ये दर्द पूरी बॉडी और पैरों में होता है।

इम्यूनिटी सिस्टम पर डालता है असर

स्ट्रेस की वजह से इम्यूनिटी सिस्टम पर असर पड़ता है। तनाव होने पर ये किसी भी तरह की चोट और इंफेक्शन से बचाने में मदद करती है। लेकिन जब स्ट्रेस लंबे समय तक रहता है तो इम्यूनिटी सिस्टम को कमजोर बना देता है। जिससे बाहरी बैक्टीरिया का हमला आराम से शरीर पर होने लगता है। लंबे समय से स्ट्रेस में रहने वाले लोगों को फ्लू, सर्दी–खांसी, बुखार जैसी वायरल बीमारियां ज्यादा आसानी से जकड़ लेती हैं।

रोजाना दोपहर में झपकी लेने की आदत कहीं आपको कर ना दे परेशान, यहां समझिए पूरी बात

क्या आप अक्सर दोपहर में थोड़ी देर के लिए झपकी लेते हैं? दोपहर में नींद या सुस्ती अक्सर लंच के बाद बढ़ जाती है, खासकर तब जब आपने भारी खाना खाया हो। लेकिन भले ही आपको यह अपनी आदत लगती हो, लेकिन न्यूरोलॉजिस्ट के अनुसार यह आदत आपकी नींद के पूरे पैटर्न को प्रभावित कर सकती है खासकर रात की नींद पर। चलिए जानते हैं इसके बारे में विस्तार से।

दोपहर की नींद क्यों असर डालती है?

हमारे शरीर में एक "स्लीप–वेक साइकिल" होती है, जिसे ब्यतबंकपंद तैलजीउ कहा जाता है। यह तय करता है कि हमें कब नींद आएगी और कब हम एक्टिव रहेंगे। जब आप दिन में ज्यादा देर सोते हैं, तो शरीर का "नींद का दबाव" कम हो जाता है, रात में नींद आने में दिक्कत होती है

रोज लंबी झपकी लेने का नुकसान

न्यूरोलॉजिस्ट के अनुसार रात को सोने में ज्यादा समय लगता है, नींद बार–बार टूट सकती है। सुबह उठने पर भी थकान महसूस हो सकती है यानी दिन की झपकी आपकी रात

की गहरी नींद को खराब कर सकती है। अगर आपको दोपहर में नींद लेनी ही है, तो 20,30 मिनट की पावर नैप लें, इससे दिमाग फ्रेश होता है लेकिन रात की नींद प्रभावित नहीं होती। 3 बजे के बाद सोने से देर शाम की नींद स्लीप साइकिल ज्यादा बिगाड़ती है

इन लोगों को सावधान रहने की जरुरत

जिन्हें रात में नींद नहीं आती, जो बार–बार जागते हैं, बुजुर्ग लोगों को दिन की नींद कम या बंद करनी चाहिए। अच्छी नींद के लिए

रोज एक ही समय पर सोएं और उठें, सोने से पहले मोबाइल,स्क्रीन कम करें। शाम के बाद चाय–कॉफी कम लें, हल्का डिनर करें। दोपहर की नींद सही मात्रा में फायदेमंद है, लेकिन ज्यादा लेने से रात की नींद की क्वालिटी खराब हो सकती है। इसलिए झपकी लें, लेकिन सही समय और सही अवधि में।

ब्रेस्टफीडिंग करवाते समय फोन यूज करने से होते हैं ये साइड इफेक्ट्स, कहीं आपसे भी तो नहीं हो रही ये गलती ?

नवजात शिशु को स्तनपान करवाने से सिर्फ शिशु को ही नहीं बल्कि मां को भी कई फायदे मिलते हैं। स्तनपान करवाने से एक तरफ जहां बच्चे को उसके विकास के लिए उचित पोषण तो मां को प्रेगनेंसी फैट से छुटकारा मिलता है। इसके अलावा स्तनपान करवाने से शिशु के नर्वस सिस्टम में सुधार तो मां को स्तन कैंसर होने का खतरा भी कम होता है। साथ ही ब्रेस्ट फीड करवाने से मां और बच्चे के बीच का बॉन्ड और ज्यादा मजबूत बनता है। लेकिन आजकल व्यस्त जीवनशैली और मोबाइल फोन के प्रति बढ़ते एडिक्शन की वजह से कई माएं अपने शिशु को दूध पिलाते समय मोबाइल फोन का यूज करती रहती हैं। अगर आप भी इस लिस्ट में शामिल हैं तो अगली बार ऐसा करने से पहले इसके साइड इफेक्ट्स के बारे में भी जान लें। आइए जानते हैं नवजात शिशु को स्तनपान करवाते समय मोबाइल फोन यूज करने से होते हैं क्या नुकसान।

स्तनपान करवाते समय मोबाइल फोन यूज करने के नुकसान–

आंखों से संपर्क टूटता है–

स्तनपान के दौरान मां और बच्चे के बीच होने वाले आंखों के संपर्क से उनमें लगाव बढ़ता है। लेकिन जब मां स्तनपान के दौरान फोन यूज करती है तो उसका अपने बच्चे से यह संपर्क टूट जाता है।

रेडिएशन का खतरा –

WHO के अनुसार मोबाइल फोन का रेडिएशन लेवल लेड, जेट फ्यूल और क्क्ज जितना ही होता है। सेल फोन को क्लास 2 ठ कार्सिनोजेन्स के रूप में वर्गीकृत किया गया है। चिंता की बात यह है कि मोबाइल फोन से ये रेडिएशन लोगों तक, खासकर शिशुओं तक में पहुंच सकता है। कहा जाताहै कि फोन के इस्तेमाल से शिशुओं के डीएनए और मस्तिष्क तक को नुकसान पहुंच सकता है।

नर्सिंग पैटर्न को नहीं कर पाएंगे ट्रैक–

शिशु को स्तनपान करवाते समय उसके नर्सिंग पैटर्न पर नजर रखना बेहद जरूरी होता है। ऐसा करते हुए मां को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बच्चे को सही मात्रा में दूध और पोषक तत्व मिलें। इसके अलावा बच्चे को स्तनपान करते समय अपनी स्थिति बदलने की आवश्यकता है या नहीं या फिर वो दूध ा पीते–पीते कहीं सो तो नहीं रहा। लेकिन मां अगर शिशु को दूध ा पिलाते हुए फोन यूज करती है तो हो सकता है कि वो नर्सिंग पैटर्न को ट्रैक न कर पाए।

ध्यान भटका सकता है–

स्तनपान करवाते समय फोन का इस्तेमाल, आपका शिशु से ध्यान भटका सकता है। दूध पिलाते समय फोन यूज करने से आप न तो फोन पर और न ही बच्चे पर अपना फोकस कर पाएगी। जिसकी वजह से हो सकता है आपके बच्चे को पर्याप्त मात्रा में दूध भी न मिलें।

स्तनपान के दौरान मां और शिशु के बीच का रिश्ता और मजबूत बनता है। हालांकि बच्चे को दूध पिलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल करना है या नहीं, यह मां का निर्णय होता है। लेकिन मां को नियमित रूप से ऐसा करने से बचना चाहिए।

स्विमिंग पूल में बच्चों की आंखों को इंफेक्शन से बचाने के आसान तरीके

गर्मियों में बच्चों को स्विमिंग पूल में खेलना बेहद पसंद होता है, लेकिन कई बार यह मजा उनकी आंखों के लिए परेशानी बन सकती है। गंदे या ठीक से मेंटेन न किए गए पूल में मौजूद बैक्टीरिया और केमिकल्स आंखों में इंफेक्शन का कारण बन सकते हैं, जिसे आमतौर पर "पिंक आई" कहा जाता है। ऐसे में जरूरी है कि बच्चों की आंखों की सुरक्षा के लिए कुछ खास सावधानियां बरती जाएं।

स्विमिंग पूल में छिपे हेल्थ रिस्क

खराब तरीके से साफ किए गए पूल में बैक्टीरिया और गंदगी हो सकती है, जिससे आंखों में इंफेक्शन हो सकता है।

बच्चे अक्सर पानी में आंखें खोलकर तैरते हैं, जिससे इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है।

तौलिए, गॉगल्स या अन्य चीजें शेयर करने से संक्रमण तेजी से फैल सकता है।

पूल में डाला जाने वाला क्लोरीन आंखों की नैचुरल परत को नुकसान पहुंचा सकता है।

पिंक आई (आंखों के इंफेक्शन) के लक्षण

आंखों का सफेद हिस्सा लाल दिखना

आंखों में जलन, खुजली या कुछ फंसा हुआ महसूस होना

पानी या पीले–सफेद रंग का डिस्चार्ज आना

धुंधला दिखाई देना और पलकों में सूजन।

बच्चों को कैसे बचाएं?

बच्चों को हमेशा स्विमिंग गॉगल्स पहनाकर ही पूल में भेजें

केवल साफ और अच्छी तरह मेंटेन किए गए पूल का ही चुनाव करें

तौलिए, गॉगल्स या पर्सनल चीजें शेयर न करें

बड़े बच्चे स्विमिंग के दौरान कॉन्टैक्ट लेंस न पहनें

स्विमिंग के बाद आंखों को साफ पानी से जरूर धोएं।

स्विमिंग बच्चों के लिए एक बेहतरीन एक्सरसाइज है, लेकिन थोड़ी सी लापरवाही आंखों के इंफेक्शन का कारण बन सकती है। सही सावधानियां अपनाकर आप बच्चों को "पिंक आई" जैसी समस्याओं से बचा सकते हैं और उनका स्विमिंग एक्सपीरियंस सुरक्षित बना सकते हैं।

संक्षिप्त

यूएस–ईरान के बीच सीजफायर से बाजार मजबूत, सेंसेक्स 2983 अंक चढ़ा निफ्टी

नई दिल्ली,एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच सीजफायर का एलान दुनिया के साथ–साथ भारतीय शेयर बाजार के लिए भी राहत लेकर आया। बुधवार को घरेलू बेंचमार्क सूचकांक लंबी छलांग लगाकर बंद हुए। सेंसेक्स 2,946.32 (3.94प्रतिशत) की बढ़त के साथ 77,562.90 पर बंद हुआ। वहीं दूसरी, ओर निफ्टी 873.70 (3.78प्रतिशत) अंक मजबूत होकर 23,997.35 के स्तर पर बंद हुआ। अमेरिका–ईरान के बीच अस्थायी युद्धविराम, तेल की कीमतों में भारी गिरावट और अन्य अनुकूल कारकों के चलते सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में 3.5प्रतिशत से अधिक की तेजी आई और लगातार पांचवें सत्र में बढ़त दर्ज की गई। इस तेज उछाल से बीएसई में सूचीबद्ध सभी कंपनियों के कुल बाजार पूंजीकरण में लगभग 16.59 लाख करोड़ रुपये की वृद्धि हुई, जिससे यह बढ़कर 446 लाख करोड़ रुपये हो गया। बुधवार के कारोबारी सत्र के बाद बाजार के सभी प्रमुख सेक्टोरल सूचकांक हरे निशान पर बंद होने में सफल रहे। रिजर्व बैंक द्वारा प्रमुख बेंचमार्क दर को अपरिवर्तित रखते हुए तटस्थ रुख अपनाने के बाद, रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 47 पैसे मजबूत होकर 92.59 (अस्थायी) पर बंद हुआ। फॉरेक्स व्यापारियों ने कहा कि गवर्नर संजय मल्होत्रा द्वारा यह आश्वासन दिए जाने के बाद निवेशकों की भावना को बल मिला कि फॉरेक्स पर उठाए गए कदम संरचनात्मक परिवर्तन नहीं हैं।

ट्रंप ने ईरान पर रोकी कार्रवाई, तेल के दाम गिरे, दो हफ्ते की मोहलत से उछला अमेरिकी बाजार

वॉशिंगटन,एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर संभावित बड़े हमले को दो हफ्तों के लिए टालने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि अगर ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों के सुरक्षित गुजरने की अनुमति देता है, तो फिलहाल सैन्य कार्रवाई रोकी जा सकती है। इस फैसले का असर तुरंत वैश्विक बाजारों पर दिखा। कच्चे तेल की कीमतों में बड़ी गिरावट आई है। अमेरिकी कच्चे तेल की कीमत करीब 18: गिरकर लगभग 92.60 डॉलर प्रति बैरल पर आ गई, जबकि ब्रेंट क्रूड की कीमत करीब 6: गिरकर 103.40 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई। हालांकि, ये कीमतें अभी भी युद्ध शुरू होने से पहले के स्तर से ज्यादा हैं। वहीं, अमेरिकी शेयर बाजार में तेजी देखने को मिली। एसएंडपी 500 के फ्यूचर्स लगभग 2.4: ऊपर चले गए, जिससे निवेशकों में भरोसा बढ़ता नजर आया। बाजार को उम्मीद है कि अगर तनाव कम होता है, तो आर्थिक हालात भी स्थिर हो सकते हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़ा एलान करते हुए कहा है कि ईरान पर होने वाले संभावित हमले और बमबारी को फिलहाल दो हफ्तों के लिए रोक दिया गया है। ट्रंप ने बताया कि यह एक श्दोनों तरफ से लागू होने वाला सीजफायरश होगा, यानी इस दौरान न अमेरिका हमला करेगा और न ही ईरान कोई आक्रामक कदम उठाएगा। हालांकि इस समझौते के लिए एक बड़ी शर्त रखी गई है, ईरान को तुरंत, पूरी तरह और सुरक्षित तरीके से होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलना होगा। ट्रंप ने यह भी बताया कि ईरान की तरफ से 10 बिंदुओं वाला एक कारगर शांति प्रस्ताव आया है, जिससे 28 फरवरी से चल रहे युद्ध को खत्म करने का रास्ता निकल सकता है। फिलहाल पूरी दुनिया की नजर इस बात पर टिकी है कि अगले दो हफ्तों में हालात किस दिशा में जाते हैं, क्या शांति बनेगी या फिर तनाव फिर से बढ़ेगा।

कार की टक्कर से दो महिला खिलाड़ी घायल, एक की हालत गंभीर

नई दिल्ली,एजेंसी। केरल के कोल्लम में एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो महिला खिलाड़ी घायल हो गईं, जिनमें से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे के बाद मामला सियासी रंग ले चुका है, जहां कांग्रेस नेता बिंदु कृष्णा ने विपक्ष पर आरोप लगाए हैं। केरल के कोल्लम जिले में अस्रामम लिंक रोड पर मंगलवार शाम एक कार ने दो महिला खिलाड़ियों को टक्कर मार दी। यह हादसा उस समय हुआ जब चुनावी प्रचार समाप्त होने के बाद यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट के कार्यकर्ता कार से लौट रहे थे। दोनों घायल खिलाड़ी उस समय सड़क पर पैदल चल रही थीं। हादसे में घायल दोनों युवतियों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस के मुताबिक, इनमें से एक खिलाड़ी की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस जांच में सामने आया है कि जिस कार से हादसा हुआ, वह कांग्रेस नेता बिंदु कृष्णा के बेटे के नाम पर दर्ज है। हालांकि, पुलिस ने स्पष्ट किया कि हादसे के समय उनका बेटा कार में मौजूद नहीं था। ड्राइवर देवानंद को हिरासत में ले लिया गया है और कार में मौजूद तीन अन्य लोगों की भी पहचान की गई है। हादसे के बाद यह मामला राजनीतिक विवाद में बदल गया है। कांग्रेस नेता बिंदु कृष्णा ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ सीपीआई (एम) इस घटना का राजनीतिक फायदा उठाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा, यह एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। गाड़ी चला रहा व्यक्ति मेरे बेटे का दोस्त है, लेकिन सत्तारूढ़ पार्टी चुनाव से पहले इसे राजनीतिक रंग देने की कोशिश कर रही है। पुलिस ने मामले में केस दर्ज कर लिया है और आगे की जांच जारी है।

हम गलतियों से सीखेंगे और प्रतिष्ठा वापस लाएंगे, बीसीबी के नए अध्यक्ष तमीम इकबाल का एलान

मीरपुर,एजेंसी। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के नए अध्यक्ष तमीम इकबाल ने मंगलवार को मीरपुर के शेर–ए–बांग्ला नेशनल स्टेडियम में बोर्ड की एड–हॉक कार्यकारी कमेटी के साथ अपनी पहली आधिकारिक बैठक की। तमीम इकबाल ने नई बनी एड–हॉक कमेटी से मिलने के बाद मीडिया से बात करते हुए बोर्ड की विश्वसनियता को वापस लाने की जरूरत पर जोर दिया। इकबाल ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, श्मुझे यकीन है कि आप सभी समझते हैं कि पिछले डेढ़ साल में क्रिकेट की प्रतिष्ठा को जो नुकसान हुआ है, उसे मिलकर ठीक करना होगा।श उन्होंने कहा कि बांग्लादेश क्रिकेट में फिर से गर्व जगाने की मिली–जुली जिम्मेदारी निभानी होगी। हम अच्छा प्रदर्शन करें या न करें, इस पर आलोचना होगी, लेकिन यहां कोई नहीं चाहता कि क्रिकेट अभी अपने सबसे बुरे दौर में रहे। हम हमेशा चाहते हैं कि क्रिकेट गर्व का जरिया बने। जो लोग बीसीबी में काम करते हैं या कर चुके हैं, उन्हें यह कहते हुए गर्व होना चाहिए कि वे यहां काम करते हैं। मुझे नहीं पता कि पिछले डेढ़ साल में जो हुआ उसे कैसे देखा जाए, लेकिन हमें अपने पुराने गौरव को वापस लाना होगा। तमीम ने कहा, श्खिलाड़ियों का सम्मान होना चाहिए, और हर स्टेकहोल्डर का सम्मान होना चाहिए। यह हमारा पहला काम होगा। हम सिर्फ बातों में नहीं, बल्कि बेहतर के लिए बदलेंगे। हम गलतियां करेंगे, और हमारी टीम भी गलतियां कर सकती है, लेकिन हम उनसे सीखेंगे और कोशिश करते रहेंगे। यही हमारा मुख्य लक्ष्य है। नेशनल स्पोर्ट्स काउंसिल ने एड–हॉक कमेटी को 90 दिनों के अंदर चुनाव कराने का काम सौंपा है, तमीम ने कहा कि वे इस जिम्मेदारी को पूरी ईमानदारी से निभाएंगे। हमें तीन महीने के अंदर एक स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने की जिम्मेदारी दी गई है। हम यह काम पूरी ईमानदारी से और जितनी जल्दी हो सके, करेंगे। हालांकि तमीम खुद इनावों में हिस्सा लेंगे या नहीं इस पर उन्होंने कुछ नहीं कहा। तमीम ने कहा कि चुनावी प्रक्रिया के दौरान सबको साथ लेकर चलने की अहमियत पर जोर देते हुए कहा कि यह एक बोर्ड चुनाव होगा, जिसमें मौजूदा बोर्ड सदस्य, खिलाड़ी और आयोजक शामिल होंगे, सभी को हिस्सा लेना चाहिए। हमारा मकसद ऐसा माहौल बनाना है जहां हर कोई चुनाव में हिस्सा ले सके। चुनावों की देखरेख के साथ–साथ, कमेटी रोजाना के कामों का भी प्रबंधन करेगी। इकबाल ने कहा, हम जाहिर तौर पर रोजाना की गतिविधियों पर भी ध्यान देंगे। आप जानते हैं, विश्व कप के मुद्दे भी हैं। हम हर चीज के बारे में जो भी जरूरी होगा, करेंगे। एड–हॉक सदस्य तंजिल चौधरी ने बताया कि तमीम आने वाली आईसीसी बैठकों में बांग्लादेश का प्रतिनिधित्व करेंगे।

वैभव का खौफ! बुमराह जैसे दिग्गज भी हुए सावधान, स्टेन बोले- गेंदबाजों में डर बैठ गया है

नई दिल्ली,एजेंसी। राजस्थान रॉयल्स के युवा ओपनर वैभव सूर्यवंशी ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच में ऐसा खेल दिखाया कि क्रिकेट जगत हैरान रह गया। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी ने गेंदबाजों पर मनोवैज्ञानिक दबाव बना दिया है। पूर्व दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने भी इस बात को माना। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि उसने यही किया है। उसने गेंदबाजों के मन में डर पैदा कर दिया है कि वह आपको बाउंड्री के लिए मार सकता है। स्टेन के मुताबिक, वैभव के डर का असर जसप्रीत बुमराह जैसे विश्व स्तरीय गेंदबाज पर भी दिखा। उन्होंने कहा, श्बुमराह की वह गेंद फुलटॉस जैसी थी, जो उनके लिए बेहद दुर्लभ है। शायद उनके दिमाग में चल रहा था कि अगर गलती हुई तो यह लड़का छक्का मार देगा। स्टेन ने आगे समझाया कि जब गेंदबाज इस तरह सोचने लगते हैं, तो गलतियां बढ़ जाती हैं। उन्होंने कहा, अगर आप ऐसा सोचते हैं, तो अक्सर आप गलती कर बैठते हैं। और यही हुआ, जैसे ही गेंद गलत पड़ी, वैभव ने उसे छक्के के लिए भेज दिया। स्टेन ने वैभव की सबसे बड़ी ताकत उनकी निडरता को बताया। उन्होंने कहा, श्यह बच्चा किसी से नहीं डरता। अगर आप हाफ–वॉली डालेंगे, तो वह गेंद को स्टेडियम के बाहर भेज देगा, चाहे आप बुमराह हों या कोई और।

इस मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स ने मुंबई इंडियंस को 27 रन से हराया। यशस्वी जायसवाल और वैभव सूर्यवंशी ने 80 रन की तेज साझेदारी की। वैभव ने 14 गेंदों पर 39 रन बनाए, जिसमें बुमराह के खिलाफ दो छक्के शामिल थे। वैभव सूर्यवंशी अब सिर्फ एक युवा खिलाड़ी नहीं, बल्कि गेंदबाजों के लिए चुनौती बन चुके हैं। उनका आत्मविश्वास और आक्रामक अंदाज उन्हें खास बनाता है।

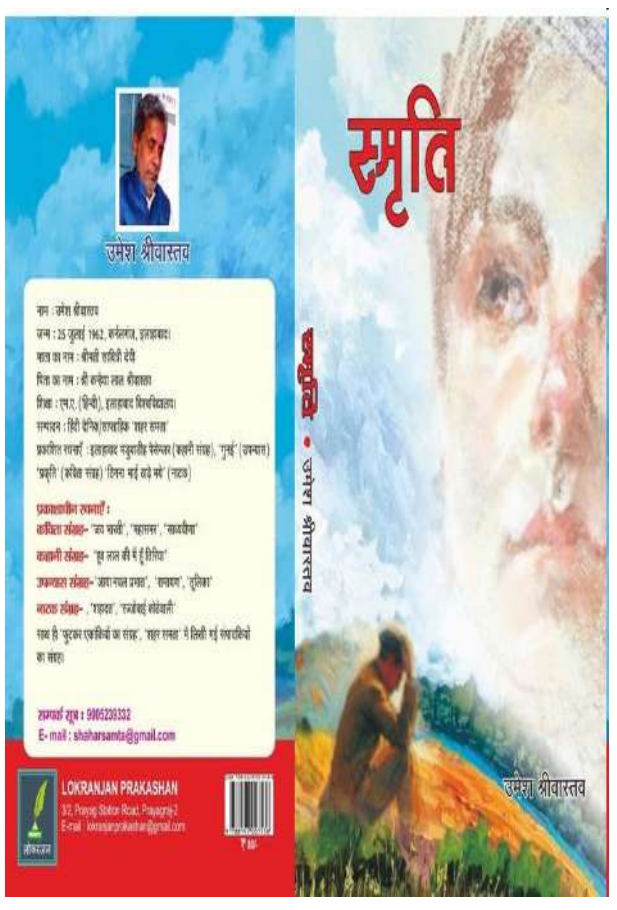

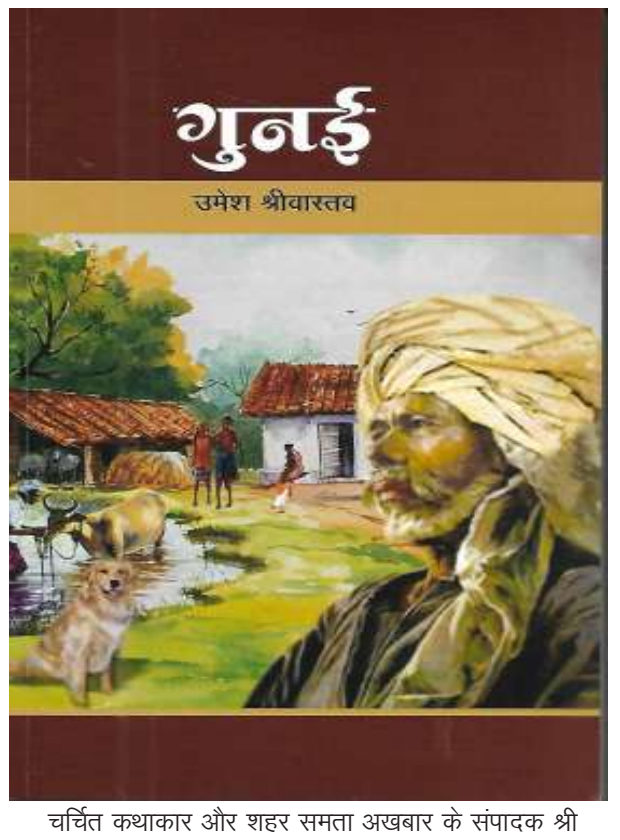

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

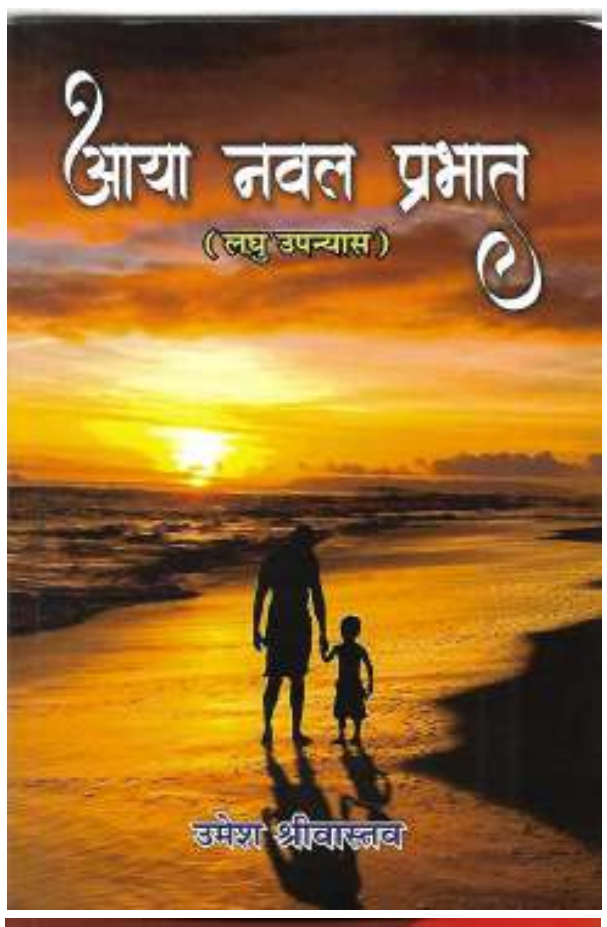

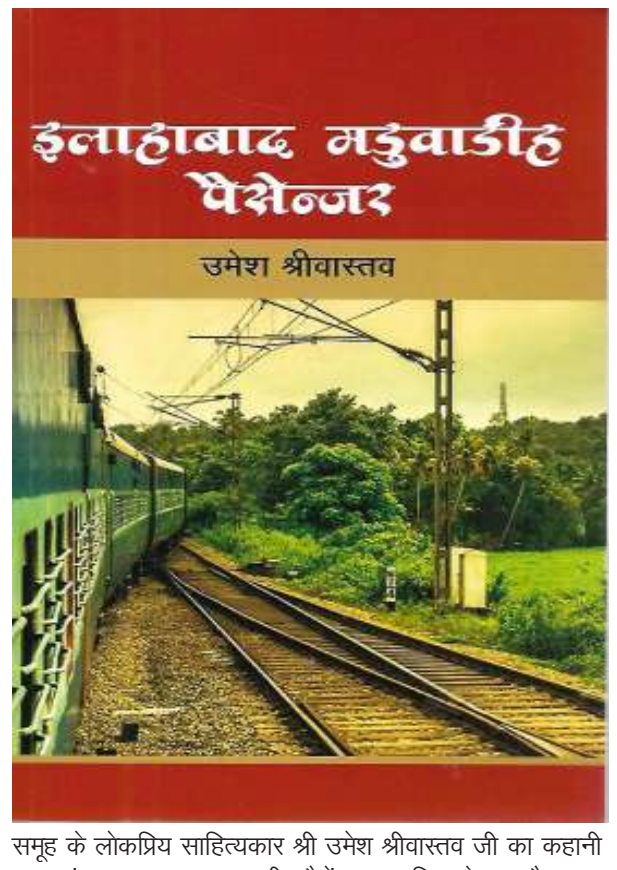

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

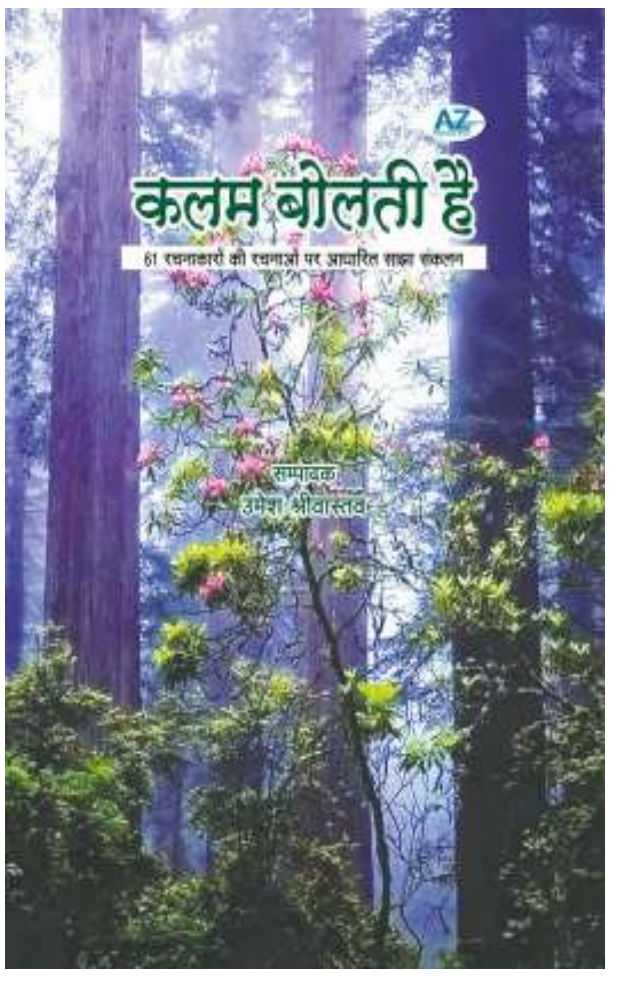

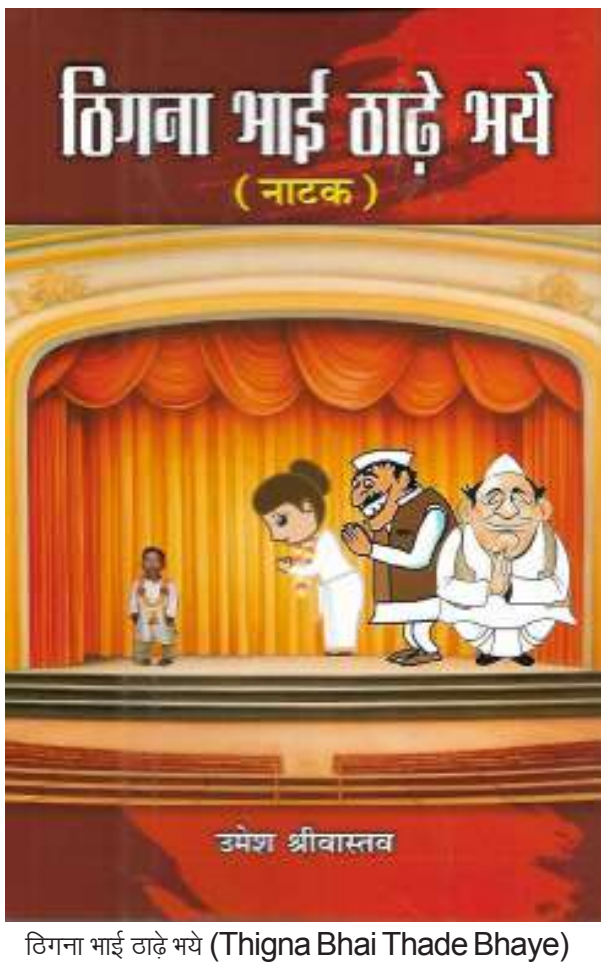

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

सीजफायर के बाद भारत की एडवाइजरी: नागरिकों को जल्द से जल्द ईरान छोड़ने की सलाह, दूतावास से हेल्पलाइन नंबर जारी

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में एक महीने से भी ज्यादा समय से जारी युद्ध के बाद ईरान और अमेरिका ने सीजफायर की घोषणा की है। इसी बीच तेहरान में मौजूद भारतीय दूतावास ने आज यानी आठ अप्रैल को एक महत्वपूर्ण एडवाइजरी जारी की है। दूतावास ने हालातों को देखते हुए वहां मौजूद भारतीय नागरिकों को तुरंत देश छोड़ने की सलाह दी गई है।

यह सूचना सात अप्रैल को जारी हुई पिछली एडवाइजरी, जिसमें लोगों को सतर्क और सुरक्षित रहने की सलाह दी गई थी उसी का ही अगला हिस्सा है। नागरिक को लिए निर्देश जारी दूतावास ने कहा है कि भारतीय नागरिक दूतावास के अधिकारियों के साथ संपर्क करें और उनके बताए सुरक्षित रास्तों से ही ईरान से बाहर निकलें। दूतावास ने सख्त हिदायत दी है कि कोई भी भारतीय नागरिक बिना सलाह लिए किसी भी अंतरराष्ट्रीय सीमा की ओर जाने की कोशिश न करे। किसी भी सीमा पर जाने से पहले दूतावास से तालमेल बिठाना अनिवार्य है। दूतावास ने जारी किया हेलपलाइन नंबर भारतीय नागरिकों की मदद के लिए दूतावास ने चार इमरजेंसी हेलपलाइन नंबर जारी किए हैं। ये नंबर .989128109115, .989128109102, 989128109109 और .989932179359 हैं। इसके अलावा लोग अपनी समस्या या जानकारी के लिए बवदे.जमीतंद/उमं.हवअ.पद पर ईमेल भी कर सकते हैं। ईरान में हो रहे नए बदलावों और सुरक्षा कारणों से यह कदम उठाया गया है। सरकार चाहती है कि सभी भारतीय सुरक्षित तरीके से अपने वतन वापस लौट आएं।

पाक की मध्यस्थता पर सवाल क्यों? 'ईरानी शासन पर भी भरोसा नहीं', दो हफ्ते के सीजफायर पर विशेषज्ञ क्या बोले?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह के युद्धविराम और स्थायी शांति की उम्मीदों के बीच, पाकिस्तान ने दोनों देशों के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभाने का श्रेय लेने की कोशिश की है। हालांकि, फाउंडेशन फॉर डिफेंस ऑफ डेमोक्रेसीज (FDD) के कार्यकारी निदेशक और पूर्व अमेरिकी ट्रेजरी आतंकवाद –निरोध विश्लेषक, जोनाथन शनजर ने पाकिस्तान की इस भूमिका पर गंभीर सवाल उठाए हैं। शनजर का मानना है कि पाकिस्तान पर चीन का भारी कर्ज है, जिससे यह सवाल उठता है कि क्या पाकिस्तान अमेरिका के साथ अपने गठबंधन को व्यापक बना रहा है, या वह चीन के हितों को साध रहा है। जोनाथन शनजर ने कहा ष्जब हम पाकिस्तान को देखते हैं, तो हमें यह समझना होगा कि यह एक ऐसा देश है जो चीन का बहुत ऋणी है। बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव और ऋण जाल कूटनीति के माध्यम से, चीन ने पाकिस्तानियों को अपनी पकड़ में ले लिया है। सवाल यह हैरू क्या पाकिस्तानी संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ काम करके नए दोस्त बनाने और अपने गठबंधन को व्यापक बनाने की कोशिश कर रहे हैं, या वे चीन के इशारों पर काम कर रहे हैं? क्या वे अनिवार्य रूप से चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के लिए एक मुखपत्र हैं? इस समय, हमें इसका उत्तर नहीं पता है। जब शनजर से पूछा गया कि क्या अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को हाल ही में अमेरिका–ईरान मध्यस्थता प्रक्रिया में देर से शामिल किया गया था और क्या शायद चीन ने ईरान को बातचीत की मेज पर लाने में मदद की, तो उन्होंने कहा कि जेडी वेंस विदेशी हस्तक्षेप को लेकर नकारात्मक दृष्टिकोण रखते हैं। शनजर के अनुसार ष्हम उन्हें नव–अलगाववादियों के रूप में वर्गीकृत करते हैं – ऐसे लोग जो दुनिया भर की ताकतों को आकार देने के लिए अमेरिकी बल के उपयोग के बारे में गहराई से संशय में हैं। लेकिन मुझे लगता है कि चीन का सवाल वास्तव में सबसे दिलचस्प है। जोनाथन शनजर ने यह भी चेतावनी दी कि भले ही युद्धविराम बना रहे और होर्मुज जलडमरूमध्य खुला रहे, युद्ध अभी खत्म नहीं हुआ है। उन्होंने कहा हर किसी को यह समझने की जरूरत है कि यह युद्ध खत्म नहीं हुआ है। भले ही वे कुछ समय के लिए जलडमरूमध्य को खुला रखने और एक–दूसरे पर बमबारी बंद करने पर सहमत हों, फिर भी शासन को भीतर से गिराने का एक गुप्त प्रयास जारी रहेगा। ईरान के लोगों ने अभी तक अपनी बात नहीं रखी है। मुझे यह भी लगता है कि उन विभिन्न प्रॉक्सी के बारे में खुले सवाल हैं।

अमेरिका पर ईरान समर्थित साइबर खतरा, एफबीआई की चेतावनी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच अब साइबर हमलों का खतरा भी गहरा गया है। फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) ने चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि ईरान से जुड़े साइबर समूह अमेरिका के महत्वपूर्ण इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बना रहे हैं। एफबीआई के अनुसार, ये हमलावर खास तौर पर जल आपूर्ति, अपशिष्ट प्रबंधन और ऊर्जा सेक्टर से जुड़े सिस्टम्स पर साइबर हमले कर रहे हैं। इन हमलों में औद्योगिक ऑटोमेशन से जुड़े इंटरनेट–कनेक्टेड डिवाइस, खासकर प्रोग्रामेबल लॉजिक कंट्रोलर को टारगेट किया जा रहा है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर .9190052 39332
.919450482227

ईरान–यूएस के बीच युद्ध विराम: क्या ट्रंप के हमले का आदेश होता युद्ध अपराध, कार्रवाई के डर से रुके राष्ट्रपति ?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच मंगलवार–बुधवार की दरमियानी रात दो हफ्ते के अस्थायी युद्धविराम पर सहमति बन गई। यह समझौता ऐसे समय में हुआ, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार ईरान को तबाह करने की धमकी देते रहे। ट्रंप ने अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते हुए तीन दिन पहले ही धमकी दी थी कि अगर तेहरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य नहीं खोला और अमेरिका के साथ किसी डील पर नहीं पहुंचा तो इसका अंजाम बुरा होगा। ट्रंप ने चेतावनी जारी करते हुए कहा था कि 7 अप्रैल के रात 8 बजे (भारतीय समयानुसार 8 अप्रैल सुबह 5.30 बजे) तक युद्ध शुरू हो सकता है और अमेरिका संघर्ष में ईरान के ऊर्जा संयंत्रों (पावर प्लांट्स) और पुलों को निशाना बनाएगा। ट्रंप की चेतावनी से साफ है कि अमेरिका 28 फरवरी को शुरू हुए युद्ध को खत्म करने के लिए निर्णायक कार्रवाई करने की तैयारी में है। हालांकि, ट्रंप ने जो धमकियां दी हैं, उनमें ईरान के नागरिक इन्फ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाने की बात कही गई। इतना ही नहीं मंगलवार

को एक पोस्ट में उन्होंने कहा था कि ईरान की एक पूरी सभ्यता का एक रात में विनाश हो सकता है। इसके बाद से ही अमेरिका के साथ–साथ दुनियाभर में ट्रंप की आलोचना शुरू हो गई। नेताओं ने इसे नरसंहार की धमकी से जोड़ना शुरू कर दिया। विशेषज्ञों के मुताबिक, संघर्ष में नागरिकों, उनके ठिकानों या आम लोगों से जुड़ी सुविधा को निशाना बनाना युद्ध अपराध की श्रेणी में आता, जिसके लिए कानून के तहत सजा दी सकती है। आइये जानते हैं कि डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से ईरान को क्या–क्या चेतावनियां दी गई हैं? इनके क्या मायने हैं? क्या अमेरिका ईरान में जो करने की धमकी दे रहा था, क्या वह युद्ध अपराध होता?

डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से ईरान को क्या–क्या चेतावनियां दी गई हैं?

1. नागरिक बुनियादी ढांचे को नष्ट करने की धमकी

ट्रंप ने चेतावनी दी थी कि अगर ईरान ने उनकी समय–सीमा (अमेरिकी समयानुसार– मंगलवार रात 8 बजे) तक होर्मुज जलडमरूमध्य नहीं खोला, तो अमेरिका ईरान के पुलों, बिजली संयंत्रों, तेल के कुओं और पानी साफ करने वाले संयंत्रों पर बमबारी करेगा। उन्होंने सोशल मीडिया पर धमकी देते हुए इसे पावर प्लांट डे और ब्रिज डे का नाम दिया और कहा कि वह ईरान के हर एक बिजली संयंत्र पर हमला करेंगे।

2. पूरी सभ्यता को खत्म करने की चेतावनी

ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म– ट्रूथ सोशल पर मंगलवार को लिखा, ष्आज रात एक पूरी सभ्यता मर जाएगी, जिसे कभी वापस नहीं लाया जा सकेगा।ष उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह भी दावा किया कि पूरे ईरान देश को सिर्फ एक रात में खत्म किया जा सकता है। इसके साथ ही उन्होंने ईरान की सरकार को पाषाण युग में वापस भेजने की धमकी भी दी।

3. सत्ता परिवर्तन की लगातार धमकी

ट्रंप ने ईरान में 47 वर्षों के जबरन वसूली, भ्रष्टाचार और मौत के दौर को खत्म करते हुए पूर्ण और समग्र सत्ता परिवर्तन की बात कही। हालांकि, वे कई मौकों पर अपने ही बयानों को बदलते रहे हैं और कई मौकों पर दावा कर चुके हैं कि अमेरिकी अभियानों में ईरान की सत्ता को खत्म किया जा चुका है और वे नई सत्ता के नेताओं से बात कर रहे हैं।

4. तेल के कुओं–खर्ग पर कब्जे की मंशा

ट्रंप कई मीडिया इंटरव्यू में कह चुके हैं कि अगर उनके हाथ में होता, तो वह ईरान के तेल पर कब्जा कर लेते और उससे खूब पैसा कमाते। यहां तक कि ट्रंप ने होर्मुज जलडमरूमध्य पर कब्जे और इसके बाद यहां से गुजरने वाले जहाजों से कीमत लेने तक की बात कही है।

5. आक्रामक और अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल

अपनी धमकियों में ट्रंप ने बेहद भड़काऊ भाषा का उपयोग किया है। उन्होंने ईरानी नेताओं को जानवर करार दिया। उन्होंने अपने एक पोस्ट में अभद्रता प्रदर्शित करते हुए ईरान के नरक में जलने तक की बात कह दी।

6. अंतरराष्ट्रीय कानूनों का बनाया मजाक

विशेषज्ञों, अमेरिकी नेताओं और मानवाधिकार संगठनों ने इन धमकियों की कड़ी निंदा की है और कहा है कि नागरिक बुनियादी ढांचे को अंधाधुंध निशाना बनाना अंतरराष्ट्रीय कानूनों के तहत सीधे तौर पर युद्ध अपराध के वर्ग में आता है। हालांकि, इसके जवाब में ट्रंप ने स्पष्ट किया है कि वह संभावित युद्ध अपराध करने को लेकर बिल्कुल भी चिंतित नहीं हैं, और उनका मानना है कि ईरान के पास परमाणु हथियार होना असली युद्ध अपराध है। माना जा रहा है कि अपने बयानों के बावजूद ट्रंप अमेरिकी राजनीतिक व्यवस्था और बिना संसदीय मंजूरी के कार्रवाई से पीछे हट गए।

यूएस–ईरान युद्धविराम के पीछे पाक नहीं असली खिलाड़ी चीन निकला, ट्रंप ने भी हिचकिचा कर मान ही लिया

तेहरान, एजेंसी। एक विनाशकारी युद्ध की ओर बढ़ता दिख रहा अमेरिका और ईरान के बीच चल रहा तनाव अचानक दो सप्ताह के युद्धविराम में बदल गया। एक ओर अमेरिका ने इस समझौते का श्रेय पाकिस्तान को दिया। वहीं, एपी की रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान ने अमेरिका के साथ केवल बिचौलिये की भूमिका निभाई है। ईरान को युद्धविराम के लिए मनाने में चीन ही असली खिलाड़ी बनकर उभरा है। ईरान के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदार चीन ने तेहरान को अमेरिका के साथ युद्धविराम की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने खुद किया खुलासा

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भी आखिरकार मान ही लिया कि चीन ने ही तेहरान को बातचीत की मेज पर लाने में मदद की थी। एएफपी ने बातचीत में जब अमेरिकी राष्ट्रपति से पूछा कि क्या तेहरान को युद्धविराम पर बातचीत करने के लिए राजी

करने में चीन की भूमिका थी, तो उन्होंने समाचार एजेंसी से कहा, ष्मुझे हां सुनाई दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को चेतावनी देते हुए कहा था कि अगर समझौता नहीं हुआ तो एक पूरी सभ्यता आज रात मर जाएगी। हालांकि, हमलों की डेडलाइन खत्म होने से महज 90 मिनट पहले ट्रंप ने अपने फैसले पर पलटी मारकर युद्धविराम का एलान कर दिया। पर्दे के पीछे का असली खिलाड़ी एक महीने तक चले इस युद्ध के दौरान चीन खुलकर ईरान के समर्थन में उतरा। हालांकि, चीन की ओर से इस मामले पर बयानबाजी से ज्यादा कूटनीतिक रणनीति पर मेहनत की गई। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप, जिस पाकिस्तान को युद्धविराम का श्रेय दे रहे हैं, उसने खुद इस महीने की शुरुआत में चीन से समर्थन मांगने के लिए संपर्क किया था।

दिखाई वीटो पावर की ताकत एपी की रिपोर्ट में दावा किया गया कि चीन ने ही पाकिस्तान, तुर्किए और मिस्र जैसे मध्यस्थों के साथ मिलकर ईरान युद्ध को खत्म करने की रणनीति बनाई। इतना ही नहीं, युद्धविराम की घोषणा से कुछ घंटे पहले चीन और रूस ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के लिए बल प्रयोग को अधिकृत करने के प्रस्ताव को वीटो कर दिया। चीन की ओर से युद्धविराम में अपनी भूमिका को लेकर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। वहीं, पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ अमेरिकी राष्ट्रपति की तारीफ को लेकर अपनी ही पीठ थपथपाने में जुटे हैं। पाकिस्तान की भूमिका पर सवालिया निशान पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ के एक पोस्ट पर भी सवाल खड़े होने से युद्धविराम में उनकी भूमिका पर संशय बन गया है। इस पोस्ट में उन्होंने ट्रंप से सैन्य कार्रवाई की समय सीमा को दो सप्ताह के लिए टालने का अनुरोध किया था। इस ट्वीट की शुरुआती लाइनों में ष्ड्राफ्ट – पाकिस्तान के पीएम का एक्स पर संदेशष लिखा हुआ था। इससे शक गहराया कि यह संदेश किसी बाहरी देश द्वारा लिखा गया हो सकता है।

ईरान में जंग थमने के बाद पीएम शहबाज हुए ट्रोल?: यूजर्स ने पूछा– पाक पर यूएस का कितना दबाव, किरकिरी का कारण क्या?

पश्चिम एशिया संघर्ष को लेकर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की एक सोशल मीडिया पोस्ट चर्चा का विषय बन गई है। इस पोस्ट ने न सिर्फ उनकी कूटनीतिक भूमिका पर सवाल खड़े किए, बल्कि सोशल मीडिया पर उन्हें आलोचना और

व्यंग्य का सामना भी करना पड़ा। दरअसल, शहबाज शरीफ ने मंगलवार को एक्स पर एक पोस्ट किया था, जिसमें उन्होंने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से ईरान के खिलाफ संभावित कार्रवाई की समयसीमा बढ़ाने की अपील की थी। उन्होंने लिखा था कि कूटनीति को आगे बढ़ने का मौका देने के लिए समय सीमा को दो सप्ताह तक बढ़ाया जाना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने ईरान से होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने का भी आग्रह किया था, जो वैश्विक तेल आपूर्ति के लिहाज से बेहद अहम है। एडिट हिस्ट्री ने खोली पोल हालांकि, यह मामला तब और गंभीर हो गया जब यूजर्स ने पोस्ट की एडिट हिस्ट्री पर ध्यान दिया। सामने आए स्क्रीनशॉट्स में दिखा कि पोस्ट के शुरुआती वर्जन में श्क्तंजिरू चंपेजंदशे च्ड उमेंहम वद ग्श जैसा टेक्स्ट मौजूद था। इससे यह अटकलें लगाई जाने लगीं कि यह संदेश पहले से तैयार ड्राफ्ट था और संभवतः सीधे पोस्ट करने से पहले उसे पूरी तरह संपादित नहीं किया गया। पोस्ट में अमेरिका के कई प्रमुख नेताओं को टैग भी किया गया था, जिनमें डोनाल्ड ट्रंप, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, मध्य पूर्व के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और विदेश मंत्री मार्को रुबियो शामिल थे। इस वजह से विवाद और गहरा गया और लोगों ने सवाल उठाना शुरू कर दिया कि क्या यह संदेश पाकिस्तान की अपनी कूटनीतिक पहल का हिस्सा था या कहीं बाहर से तैयार किया गया था। सोशल मीडिया पर कुछ यूजर्स ने यह भी दावा किया कि किसी देश के प्रधानमंत्री की टीम ड्राफ्ट में अपने देश का नाम इस तरह नहीं लिखती, जिससे शक और बढ़ गया। वहीं, कुछ लोगों ने यह तक आरोप लगाया कि यह ड्राफ्ट संभवतः ट्रंप की टीम से आया हो सकता है या व्हाइट हाउस के निर्देशों का हिस्सा रहा हो।

अमेरिकी कोर्ट से गौतम अदाणी को राहत,एसईसी फ्रॉड केस खारिज करने की याचिका स्वीकार

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की एक अदालत ने उद्योगपति गौतम अदाणी को बड़ी राहत दी है। अदालत ने उस याचिका पर सुनवाई तय करने की अनुमति दे दी है, जिसमें अदाणी की ओर से अमेरिकी प्रतिभूति व विनिमय आयोग एसईसी) के कथित धोखाधड़ी मामले को खारिज करने की मांग की है। न्यूयॉर्क के ईस्टर्न डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि अदाणी और उनके भतीजे सागर अदाणी की ओर से दायर प्री–मोशन कॉन्फ्रेंस की मांग स्वीकार की जाती है और पक्षों को सुनवाई की तारीख तय करने का निर्देश दिया जाता है। यह मामला नवंबर 2024 में एसईसी और अमेरिकी न्याय विभाग की ओर से दर्ज किया गया था, जिसमें आरोप लगाया गया कि अदाणी समूह ने भारत में सोलर एनर्जी प्रोजेक्ट हासिल करने के लिए 25 करोड़ डॉलर से अधिक की कथित रिश्वत देने की योजना बनाई और इस जानकारी को अमेरिकी निवेशकों व बैंकों से छिपाया। इसमें आरोप लगाया गया था कि एजीईएल की

तरफ से जारी बॉन्ड के निवेशकों को कथित तौर पर रिश्वत देने की योजना से अवगत नहीं कराया गया था। हालांकि, अदाणी समूह ने इन सभी आरोपों को खारिज किया है। कंपनी का कहना है कि उसके किसी भी अधिकारी या इकाई पर अमेरिकी भ्रष्ट आचरण कानून (थ्ब्।) के तहत आरोप तय नहीं हुए हैं और अदाणी ग्रीन एनर्जी इस मामले में पक्षकार भी नहीं है। अदाणी और उनके वकीलों ने अदालत में दायर याचिका में कई आधारों पर केस खारिज करने की मांग की है। उनकी ओर से दी गई दलील में कहा गया कि यह मामला अमेरिकी क्षेत्राधिकार से बाहर है और इसमें किसी भी तरह की कोई गलती सिद्ध नहीं होती है। अमेरिकी अदालत को भेजे गए पत्र में कहा गया है कि 2021 में अदाणी समूह की नवीकरणीय ऊर्जा इकाई अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) द्वारा जारी 7.5 करोड़ डॉलर के बॉन्ड बिक्री के संदर्भ में एसईसी के दावे कई कानूनी आधारों पर दोषपूर्ण हैं। अदालत द्वारा सुनवाई तय किए जाने के बाद अब प्री–मोशन कॉन्फ्रेंस में यह तय होगा कि केस को शुरुआती चरण में ही खारिज किया जा सकता है या नहीं। अगर अदालत अडानी की दलीलों से सहमत होती है, तो लंबी कानूनी प्रक्रिया और ट्रायल से बचा जा सकता है।

सीजफायर पर ईरान के सुप्रीम लीडर का पहला बयान: मोजतबा खामेनेई बोले– जंग खत्म नहीं, फिलहाल फायरिंग बंद करे सेना

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच दो हफ्ते के युद्धविराम पर सहमति बन गई है। इस बीच ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने देश की सभी सैन्य इकाइयों को तुरंत फायरिंग रोकने का आदेश दिया है। राज्य संचालित प्रसारक इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग (प्स्ठ) पर जारी बयान में खामेनेई ने कहा कि यह युद्ध का अंत नहीं है, लेकिन सभी सैन्य शाखाओं को सर्वोच्च नेता के आदेश का पालन करते हुए फायरिंग बंद करनी चाहिए। युद्धविराम के बावजूद ईरान ने सख्त लहजे में चेतावनी दी है। ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल ने कहा कि यह कदम युद्ध खत्म होने का संकेत नहीं है और अगर अमेरिका या इस्राइल की ओर से कोई भी छोटी सी गलती होती है तो उसका जवाब पूरी ताकत से दिया जाएगा। बयान में कहा गया कि हमारी उंगलियां ट्रिगर पर हैं और दुश्मन की किसी भी गलती का मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। 28 फरवरी को अमेरिका और इस्राइल द्वारा किए गए संयुक्त हमले के बाद शुरू हुए इस संघर्ष में अब तक कई देशों में बड़ी संख्या में लोगों की जान जा चुकी है। ईरान ने अपने नागरिकों के बलिदान के लिए धन्यवाद देते हुए दावा किया कि युद्ध के अधिकांश लक्ष्य हासिल कर लिए गए हैं और दुश्मन को ऐतिहासिक हार का सामना करना पड़ा है। सीजफायर की दिशा में अमेरिका ने 15–सूत्रीय प्रस्ताव दिया था, जिसके जवाब में ईरान ने 10–सूत्रीय प्रस्ताव पेश किया। ईरान ने साफ किया है कि इन शर्तों पर सहमति बनने के बाद ही वह युद्ध के अंत को स्वीकार करेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तड़के बुधवार को सीजफायर की घोषणा करते हुए इसे दोनों पक्षों का युद्धविराम बताया।

भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने डोनाल्ड ट्रंप से की मुलाकात

वॉशिंगटन, एजेंसी। भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर इन दिनों अमेरिका में हैं। मंगलवार रात उन्होंने व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ डिनर किया।

इस दौरान उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ अमेरिका–भारत संबंधों पर चर्चा की। गोर ने मुलाकात को बताया यादगार सर्जियो गोर ने इस मुलाकात को बहुत यादगार बताया।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।